LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित गुरुवार 28 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

देश में कहीं आग उगल रही गर्मी तो कहीं भारी बारिश की चेतावनी

मौसमः उधर 90 किमी की रफ्तार वाले तूफान का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

देश इस समय मौसम के सबसे अनोखे और खतरनाक दौर से गुजर रहा है। एक तरफ उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्से भीषण गर्मी से तप रहे हैं, तो दूसरी तरफ मौसम विभाग ने सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते देश के 17 राज्यों में तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और वज्रपात का बड़ा अलर्ट जारी किया है। अगले 72 घंटे देश के कई हिस्सों के लिए बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं, जहां 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। मौसम का यह बदला हुआ रूप सिर्फ राहत नहीं देगा बल्कि कई जगह तबाही भी मचा सकता है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि गर्म हवाओं और सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के टकराव की वजह से उत्तर और पूर्वी भारत में मौसम बेहद अस्थिर हो गया है। बिहार, झारखंड, यूपी और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। वहीं पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि और अचानक बर्फबारी तक की चेतावनी जारी की गई है। वहीं मौसम विभाग ने आंधी और बिजली चमकने के दौरान लोगों को खुले मैदानों, पेड़ों, कमजोर संरचनाओं और बिजली के खंभों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होने की आशंका को देखते हुए किसानों को भी खेतों में न जाने और लगातार मौसम अपडेट देखते रहने को कहा गया है।

उत्तर और मध्य भारतः लू के बीच बारिश की उम्मीद : दिल्ली-एनसीआरः अगले दो दिन तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा और तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, 28 मई से मौसम करवट लेगा और 29 मई को तेज हवाओं (50-60 किमी/घंटा) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने से तापमान में 6 से 7 डिग्री तक की भारी गिरावट आएगी।

उत्तर प्रदेशः पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों के सहारनपुर, मेरठ, नोएडा, गोरखपुर, प्रयागराज, आगरा और अयोध्या समेत कई जिलों में आंधी-बारिश का डबल अटैक देखने को मिलेगा। यहां 75 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थानः फिलहाल बीकानेर, कोटा और शेखावाटी क्षेत्रों में तापमान 46 से 47 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, 28 मई से आंधी और हल्की बारिश के साथ मौसम धीरे-धीरे बदलना शुरू होगा।

प्रचंड गर्मी से बचाव के लिए पीएम ने की अपील

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सतर्क रहने और एक-दूसरे की मदद करने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय बताते हुए खास तौर पर बुजुर्गों, बच्चों और धूप में काम करने वाले लोगों का ध्यान रखने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों के दैनिक जीवन में कठिनाइयां बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक सावधानी बरतने, शरीर को हाइड्रेटेड रखने और घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखने की सलाह दी। पीएम मोदी ने कहा कि इस मौसम में संवेदनशीलता और मानवीय सहयोग बहुत बड़ा सहारा बन सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि संभव हो तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी अवश्य दें। साथ ही उन्होंने उन लोगों की सराहना की, जो अपने घरों और दुकानों के बाहर राहगीरों के लिए मटकों में पानी रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी छोटी-छोटी पहलें भीषण गर्मी में लोगों के लिए राहत का कारण बन सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हीटस्ट्रोक और गर्मी से होने वाली अन्य समस्याओं को लेकर भी लोगों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आए, अत्यधिक थकान महसूस हो, मतली हो या वह बेहोश जैसा लगे तो इसे नजरअंदाज न करें। ऐसे व्यक्ति को तुरंत किसी ठंडी और छायादार जगह पर ले जाकर पानी, ओआरएस या अन्य तरल पदार्थ देने चाहिए। उन्होंने कहा कि समय रहते ध्यान न देने पर यह स्थिति गंभीर रूप ले सकती है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, बढ़ती आशंकाएं

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया हालिया फैसला चुनाव आयोग के अधिकारों की पुष्टि करता है। इसके साथ ही इस फैसले से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को वैधानिक अधिकारों के दायरे में माना, परंतु सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाई गई उन आशंकाओं और दस्तावेजी आपत्तियों पर फैसला स्पष्ट नहीं है, जिनका सीधा संबंध करोड़ों मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। यही कारण है, यह विवाद समाप्त होने के बजाय और अधिक गहराने की आशंका पैदा होने लगी है। एसआईआर प्रक्रिया का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और सही करना बताया गया था। लेकिन व्यवहार में अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें वैध दस्तावेज रखने वाले नागरिकों के नाम भी मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

बीएलओ रिटर्निंग अधिकारी के अधिकार भी चुनाव आयोग ने स्वयं इस्तेमाल करना शुरू कर दिए हैं। मतदाता शुद्धिकरण के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से बिना बीएलओ, बिना रिटर्निंग अधिकारी की जानकारी के बिना भौतिक सत्यापन के करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग कर दिए गए। जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में मौजूद थे। उनके माता-पिता के नाम भी 2003 की मतदाता सूची में थे। उन्हें भी विभिन्न तकनीकी कारणों के आधार पर सूची से बाहर कर दिया गया। इससे प्रश्न उठना स्वाभाविक है, वर्षों से मतदान कर रहे नागरिकों की वैधता पर अचानक संदेह कर उनका नाम कैसे मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में जन्मस्थली नागरिकता और मतदाता सूची की स्थिरता और विश्वसनीयता का आधार क्या रहेगा?

स्थिति की गंभीरता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आ रही है। अकेले पश्चिम बंगाल में लगभग एक करोड नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं, जबकि करीब 28 लाख लोगों ने दस्तावेजों के साथ ट्रिब्यूनल में अपील कर रखी है। यह केवल चुनाव आयोग के अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला नहीं है। एसआईआर की प्रक्रिया में जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनके संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला भी है। इतनी बड़ी संख्या मतदाता सूची से नाम काटना प्रशासनिक त्रुटि का संकेत नहीं है। बल्कि यह संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े नागरिकों के अधिकार का प्रश्न है। एसआईआर की प्रक्रिया में यदि करोड़ों लोगों के संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहे हैं। इस बारे में भी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय स्पष्ट नहीं है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा देश का खाद्यान्न उत्पादन, 3765.63 लाख टन का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष

2025-26 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कहा कि देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 3577.32 लाख टन की तुलना में लगभग 188 लाख टन यानी 5.3 प्रतिशत अधिक है, यह अबतक का सर्वाधिक उत्पादन भी है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार खेती को मजबूत करने और किसानों की खुशहाली बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। यही वजह है कि कृषि उत्पादन में निरंतर सुधार हो रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बुधवार को मीडिया को बताया कि फसलवार सारांश के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन है। इसमें चावल 1540.24 लाख टन, गेहूं 1206.57 लाख टन और मक्का 550.93 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं। श्री अन्न 175.84 लाख टन, तूर 35.92 लाख टन, चना 125.14 लाख टन और मसूर 17.62 लाख टन अनुमानित है। इसी तरह, कुल तिलहन उत्पादन 430.59 लाख टन अनुमानित है। इसमें मूंगफली 130.74 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है, सोयाबीन 125.96 लाख टन है और रेपसीड एवं सरसों 137.68 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है। गन्ना 5000.63 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है, जबकि कपास 290.24 लाख गांठें और जूट 91.76 लाख गांठें अनुमानित हैं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर और किफायती बनाने के लिए सार्थक-पीडीएस योजना को एकीकृत और 31 मार्च 2031 तक जारी रखने को मंजूरी दी है। योजना के तहत खाद्यान्न परिवहन, भंडारण, ई-पॉस स्वचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए 25,530 करोड़ रुपये के केंद्रीय व्यय को स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि "स्कीम फॉर असिस्टेंस इन राशन ट्रांसपोर्ट एंड हैंडलिंग-इनकम विद ऑटोमेशन इन पीडीएस" यानी सार्थक-पीडीएस को एक अम्ब्रेला योजना के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें खाद्यान्न परिवहन सहायता और स्मार्ट-पीडीएस योजनाओं का एकीकरण किया गया है। योजना का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक एकीकृत, नागरिक केंद्रित और तकनीक समर्थ बनाना है। योजना के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को राज्य के भीतर खाद्यान्न परिवहन और हैंडलिंग पर होने वाले खर्च के लिए संशोधित केंद्रीय सहायता दी जाएगी। उचित मूल्य दुकानों के डीलरों के मार्जिन और मौजूदा केंद्रीय वित्तीय सहायता को भी जारी रखा जाएगा। सार्थक-पीडीएस योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आने वाले 81.35 करोड़ लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा को समर्थन देगी। योजना में आधार सीडिंग, ई-पॉस स्वचालन और कंप्यूटरीकृत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का विस्तार सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किया जाएगा।

भारतीय कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने कच्छ में पकड़ी 100 किलो कोकीन

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने मुंद्रा तट के पास चलाए गए संयुक्त समुद्री तस्करी-रोधी अभियान में 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 1150 करोड़ रुपये बताया गया है। जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। आईसीजी, गुजरात एटीएस और अन्य संबंधित एजेंसियां संयुक्त रूप से इस मामले की जांच कर रही हैं। समुद्री मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ आईसीजी पांच वर्षों से अभियान चला रहा है। गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त रूप से चलाया गया यह पंद्रहवां नशीले पदार्थ विरोधी ऑपरेशन है, जो समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसी क्रम

बरामद नशीले पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 1150 करोड़ बताया गया

में आईसीजी ने गुजरात एटीएस के समन्वय से 25-26 मई की रात के समय मुंद्रा तट के पास संयुक्त खुफिया आधारित तस्करी रोधी अभियान चलाया। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि इंटरसेप्टर नावों पर एटीएस के जवान भी सवार थे। अभियान के दौरान मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले हुए कंटेनर जहाज 'एमवी यूरोप' पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से हीरे के आभूषण और सोना गायब

सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल, मचा हड़कंप

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

दुनिया के सबसे रहस्यमयी और अमीर मंदिरों में शुमार केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सदियों पुराने खजाने और अपनी अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए मशहूर इस ऐतिहासिक मंदिर से वैर नाम नामक एक अत्यंत कीमती व दुर्लभ हीरे का आभूषण पिछले छह महीनों से गायब है। इसके साथ ही, भक्तों द्वारा श्रद्धा से दान किए गए करीब 78 ग्राम सोने का भी कोई आधिकारिक हिसाब-किताब नहीं मिल रहा है। यह गंभीर मामला तब और ज्यादा गर्मा गया जब पुलिस महानिदेशक की हालिया रिपोर्ट में इन बड़ी प्रशासनिक गड़बड़ियों और सुरक्षा चूकों का स्पष्ट रूप से जिक्र किया गया। इस खुलासे के बाद अब मंदिर की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक निगरानी और इसके अरबों के खजाने की देखरेख पर बेहद गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पद्मनाभस्वामी मंदिर सिर्फ एक धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं है, बल्कि इसे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक संपदा का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है। इसके बंद और रहस्यमयी तहखानों में अरबों-खरबों रुपये की अकूत संपत्ति होने के दावे हमेशा वैश्विक सुर्खियों में रहे हैं। ऐसे संवेदनशील स्थान के गर्भगृह से जुड़े कीमती आभूषणों और भक्तों के चढ़ावे की गुमशुदगी ने सबको हैरत में डाल दिया है।

रिपेयर के बहाने ले जाए जाते हैं पर वापस नहीं आते : जानकारी के मुताबिक, वैर नाम नामक इस हीरे के आभूषण को कुछ समय पहले मरम्मत के लिए भेजा गया था, लेकिन वह वापस आकर मंदिर के रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं हुआ। ठीक इसी तरह, मंदिर का एक पारंपरिक सोने का दीपक भी मरम्मत के नाम पर बाहर भेजा गया था, जो छह महीने बीत जाने के बाद भी अब तक वापस नहीं लौटा है। पुलिस प्रशासन ने इसे एक बेहद गंभीर सुरक्षा चूक माना है और डीजीपी ने राज्य सरकार को सख्त कदम उठाते हुए सभी कीमती वस्तुओं को तुरंत हाई-सिक्योरिटी स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट करने की हिदायत दी है।

आंतरिक मिलीभगत के बड़े नेटवर्क की आशंका : मंदिर प्रशासन के मौजूदा आधिकारिक रिकॉर्ड में कई अन्य कीमती वस्तुओं का हिसाब-किताब भी मेल नहीं खा रहा है। चूंकि इस मंदिर के तहखानों और खजाने की सुरक्षा के लिए बेहद कड़े प्रोटोकॉल लागू हैं, इसलिए रिकॉर्ड और वास्तविक संपत्ति में इतना बड़ा अंतर पाया जाना किसी गहरी प्रशासनिक लापरवाही या फिर किसी आंतरिक मिलीभगत के बड़े नेटवर्क की आशंका को जन्म देता है।

भारत में इबोला का कोई खतरा नहीं, युगांडा से आई महिला की रिपोर्ट नेगेटिव

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बुधवार को साफ कर दिया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला सामने

नहीं आया है। यह घोषणा युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे हल्के लक्षण दिखने के बाद की गई थी, हालांकि महिला की टेस्ट रिपोर्ट नकारात्मक आई है। यह महिला 23 मई बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंची थी, इसके बाद एहतियातन महिला को सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। शुरुआती तौर पर उसमें हल्का शारीरिक दर्द था, लेकिन अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। अधिकारियों ने घबराने की आवश्यकता से इंकार करते हुए एहतियात के तौर पर निगरानी बढ़ा दी है। महिला के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। गौरतलब है कि अफ्रीकी देश युगांडा में इबोला के 8 मामले दर्ज किए गए हैं। इबोला वायरस डिसीज (ईवीडी) पहली बार 1976 में अफ्रीका में सामने आई थी और यह संक्रमित व्यक्ति के रक्त, उल्टी और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलती है। इस जानलेवा बीमारी से पीड़ित 25 से 90 प्रतिशत मरीजों की मौत हो सकती है।

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) को लेकर दायर याचिकाओं पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए चुनाव आयोग की प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सिर्फ इस आधार पर एसआईआर प्रक्रिया को अवैध नहीं कहा जा सकता कि यह सामान्य मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया से अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त है। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग का यह कदम कानूनी

रूप से सही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयोग को यह अधिकार है कि वह मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने संबंधी प्रक्रिया अपनाए, लेकिन इसका अर्थ किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करना नहीं है। अदालत ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटने मात्र से किसी व्यक्ति की नागरिकता समाप्त नहीं होती।

नीट परीक्षा लीक मामले में दो लोग गिरफ्तार, इन समेत 13 पकड़े गए

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच के दौरान दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनको मिलाकर इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 13 हो गई है। गिरफ्तार किए गए लातूर के रहने वाले डॉक्टर मनोज शिरुरे पर तीन छात्रों की मदद करने में अहम भूमिका है। इनमें एक कोचिंग सेंटर के मालिक का बेटा भी है। उन्होंने आरोपित पी.वी. कुलकर्णी से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने में इन छात्रों की मदद की। सीबीआई ने तेजस हर्षदकुमार शाह को भी गिरफ्तार किया है। वह पुणे स्थित

एक कोचिंग सेंट, डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (एपीएमए) में फिजिक्स का फैकल्टी है। जांच में खुलासा हुआ है कि उसे लीक हुए फिजिक्स के प्रश्न मनीषा हवलदार से मिले थे। मनीषा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई ने विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा कि पूरी कड़ी और साज़िश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली गई है। कई लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनका विश्लेषण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत पर यह मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के तुरंत बाद विशेष टीमें बनाई गईं और पूरे देश में अलग-अलग जगहों पर तलाशी ली गई। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की गई। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहल्यानगर से कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

देश में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च तीन गुना बढ़ा, जेब से इलाज का खर्च घटा : राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा रिपोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (नेशनल हेल्थ अकाउंट्स-एनएचए) 2022-23 की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में देश में स्वास्थ्य क्षेत्र पर सरकारी खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि लोगों की जेब से होने वाला इलाज खर्च लगातार कम हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) तीन गुना बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये से 3.85 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च की हिस्सेदारी 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.43 प्रतिशत हो गई। नई जीडीपी श्रृंखला के आधार पर यह आंकड़ा 1.48 प्रतिशत बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) में सरकार की हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ी है। वर्ष 2013-14 में यह 28.6 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में बढ़कर 43.7 प्रतिशत पहुंच गई। वहीं, आम लोगों द्वारा अपनी जेब से इलाज पर किया जाने वाला खर्च (आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर) घटकर 64.2 प्रतिशत से 43.4 प्रतिशत रह गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम9 जे एवाई), सामाजिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के प्रयासों से लोगों पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कोविड-19 महामारी के दौरान सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश किया। वर्ष 2021-22 में सरकारी स्वास्थ्य व्यय जीडीपी के 1.84 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

इसमें इमरजेंसी कोविड रिस्पॉन्स पैकेज और दुनिया के सबसे बड़े कोविड टीकाकरण अभियान पर हुआ खर्च शामिल था। इसी दौरान लोगों की जेब से इलाज पर खर्च घटकर 39.4 प्रतिशत तक आ गया था। सामाजिक सुरक्षा आधारित स्वास्थ्य खर्च में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुल स्वास्थ्य व्यय में इसकी हिस्सेदारी 2013-14 के 6 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 9.9 प्रतिशत हो गई। वहीं, निजी स्वास्थ्य बीमा का हिस्सा भी 3.4 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत पहुंच गया है। सरकार द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च भी दोगुने से अधिक बढ़ा है।

व्यापार समझौते के लिए भारत आएगी अमेरिकी टीम

नई दिल्ली। पारस्परिक और परस्पर लाभकारी व्यापार संबंधित अंतरिम समझौते के लिए मुख्य वार्ताकार के

नेतृत्व में अमेरिकी टीम 1 से 4 जून तक भारत दौरे पर आएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और बाजार पहुंच, गैर-टैरिफ उपाय, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा संरेखण जैसे कई क्षेत्रों पर व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त वक्तव्य जारी कर पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की थी। इस ढांचे ने व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

संक्षिप्त समाचार

विष्णु गार्डन में घर में लगी आग, ई-स्कूटी बनी हादसे की वजह, 13 साल के बच्चे की मौत, बुजुर्ग महिला झुलसीं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके के विष्णु गार्डन में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। जबकि 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से झुलस गईं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग घर के ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी और घरेलू सामान में लगी थी। दिल्ली दमकल विभाग के अनुसार दमकल कंट्रोल रूम को रात करीब 2:43 बजे विष्णु गार्डन की गली नंबर-9 स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियों को भेजा गया। कुछ ही मिनटों बाद आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन भी मौके पर रवाना किए गए। दमकल अधिकारियों के अनुसार आग पर रात करीब 3:10 बजे काबू पा लिया गया। जबकि ऑपरेशन पूरी तरह रात 4:10 बजे खत्म हुआ। दमकल विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी और घर में रखे घरेलू सामान में लगी थी। हादसे में दो लोग झुलस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोग और पीसीआर टीम दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही गुरु गोविंद अस्पताल, रघुबीर नगर लेकर पहुंच गए थे। अस्पताल में डॉक्टर ने 13 वर्षीय जसप्रीत को मृत घोषित कर दिया। वहीं 65 वर्षीय स्वामजीत कौर करीब 35 प्रतिशत तक झुलस गईं। उनका इलाज जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती तौर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी से आग फैलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं।

अमर कॉलोनी में लड़की को घूरने पर विवाद, 17 साल के लड़के के सिर में मारी गोली, एक नाबालिग पकड़ा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के अमर कॉलोनी इलाके में एक लड़की को घूरने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद कुछ ही मिनटों में खूनी वारदात में बदल गया। 17 वर्षीय एक किशोर को सिर में गोली मार दी गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने 16 वर्षीय एक नाबालिग को पकड़ लिया है, जबकि उसके दो साथी अभी फरार हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम अमर कॉलोनी मार्केट की है। घायल किशोर अपनी महिला मित्र के साथ एक खाने-पीने की दुकान के बाहर कुर्सी पर बैठा था। इसी दौरान कार से आए तीन युवक वहां रुके और स्नैक्स लेने लगे। आरोप है कि तीनों लड़के किशोर की महिला मित्र को घूर रहे थे। इसी बात को लेकर 17 वर्षीय किशोर ने विरोध जताया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। हालांकि शुरुआती विवाद के बाद आरोपितों ने माफी मांग ली और मामला शांत होता दिखाई दिया। लेकिन करीब चार-पांच मिनट बाद हालात अचानक बदल गए।पुलिस के अनुसार, आरोपितों में से एक युवक अपनी कार के पास गया, वहां से पिस्टल निकाली और किशोर पर गोली चला दी। गोली सीधे उसके सिर में लगी और वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद उसकी महिला मित्र चीखने लगी, जबकि तीनों आरोपित मौके से पैदल फरार हो गए। आसपास मौजूद दुकानदारों और फूड स्टॉल कर्मचारियों की मदद से घायल किशोर को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक घायल लड़के की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस, स्पेशल स्टाफ और क्राइम ब्रांच की टीमों को आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी में लगाया गया। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद क्राइम ब्रांच ने 16 वर्षीय एक नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से वारदात में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी वारदात से पहले फरीदाबाद से कार में आए थे। पकड़े गए नाबालिग से पूछताछ जारी है। पुलिस अब फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के दौरान मौजूद किशोरी को काउंसलिंग दी जा रही है। मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने एसईसीएल के कार्य संचालन की समीक्षा की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने दक्षिण पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड (एसईसीएल) का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के परिचालन प्रदर्शन, अवसंरचना संबंधी पहलों और भविष्य की विकास योजनाओं की समीक्षा की।कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि इस दौरे के दौरान कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच राज्य में कोयला उत्पादन, अवसंरचना विकास, रसद संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।मंत्रालय के मुताबिक इन चर्चाओं का मुख्य लक्ष्य प्रमुख विकास परियोजनाओं में तेजी लाना, परिचालन सुगम बनाना और कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आर्थिक विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच में समन्वय को मजबूती देना था। इस मौके पर उन्होंने कोयला क्षेत्र के विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिए जा रहे निरंतर समर्थन की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में राज्य का योगदान और अधिक मजबूत होगा।कोयला मंत्रालय के मुताबिक एसईसीएल मुख्यालय के अपने दौरे के दौरान सतीश चंद्र दुबे ने व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कोयला के उत्पादन, ढुलाई, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा, डिजिटलीकरण पहल, पर्यावरण स्थिरता उपायों, कोयला गैसीकरण परियोजनाओं, खदान बंद करने की गतिविधियों, सीएसआर पहल और कंपनी की भविष्य की कार्य योजनाओं की समीक्षा की गई। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर एसईसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश दुहान ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान एसईसीएल ने कोल इंडिया के 100 मिलियन टन के संचयी उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में 26.86 मिलियन टन का सर्वोच्च योगदान दिया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बैठक में एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहान, कार्यात्मक निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और एसईसीएल के अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया 20 जून से होगी शुरू, 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली निर्वाचन आयोग ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया 20 जून से शुरू हो रही है और 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के साथ संपन्न होगा। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में राजधानी में एसआईआर की प्रक्रिया 20 जून से शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत 20 जून को अधिकारियों की प्रशिक्षण के साथ शुरू होगी। यह प्रशिक्षण 29 जून तक चलेगा। उसके बाद बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त को निर्वाचन कार्यालय मतदाता सूची का 'ड्राफ्ट' प्रकाशित करेगा, जिस पर 4 सितंबर तक दिल्ली वाले अपनी शिकायत दे सकेंगे और कोई त्रुटि हो तो उसे सुधारने के आवेदन दे सकेंगे। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर को प्रकाशित होगा। मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि 'दिल्ली में घनी आबादी और लगातार पलायन के कारण सूची का अपडेट जरूरी है। इससे नए लोगों को जोड़ने और जो अब दिल्ली में नहीं रहते, उनका नाम हटाने में मदद मिलेगी।

मेट्रो में चोरी करने वाले दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, नकदी और गोल्डन वॉच बरामद : स्पेशल स्टाफ मेट्रो की बड़ी सफलता

» स्पेशल स्टाफ मेट्रो ने मेट्रो चोरी का मामला सुलझाया दो आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: डीसीपी मेट्रो के निकट निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में स्पेशल स्टाफ मेट्रो की टीम ने थाना नेहरू प्लेस मेट्रो/ई-पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 80043283/2026 धारा 303(2)/3(5) बीएनएस के तहत दर्ज चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया। टीम ने लगातार प्रयास, तकनीकी निगरानी एवं सूक्ष्म जांच के आधार पर मेट्रो परिसर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से चोरी की गई संपत्ति बरामद की।

मामले का संक्षिप्त विवरण–दिनांक 22/05/2026 को शिकायतकर्ता श्रीमती पूनम जायसवाल पत्नी श्री संजय जायसवाल निवासी बदरपुर, दक्षिण दिल्ली ने शिकायत दी कि वह लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन (पिंक लाइन) के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर मौजूद थीं। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनसे बातचीत शुरू कर उन्हें जानबूझकर उलझाए रखा। बातचीत के दौरान ध्यान भटकाकर आरोपियों ने उनके बैग में रखे कीमती सामान की चोरी कर ली और मौके से फरार हो गए। शिकायत प्राप्त होने पर थाना नेहरू प्लेस मेट्रो में तत्काल एफआईआर संख्या 80043283/2026 धारा 303(2)/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच स्पेशल स्टाफ मेट्रो को सौंपी गई।

चोरी हुआ सामान–शिकायतकर्ता के अनुसार निम्न सामान चोरी हुआ था—

20,000 नकद

"ॐ" अंकित लॉकेट सहित एक सोने की चेन,दो सोने के ईयर टॉप्स जिनमें दो छोटी चेन लगी थीं,

दो छोटे सोने के झुमके, दो कृत्रिम चूड़ियां

जांच एवं पुलिस कार्रवाई–मामला दर्ज होने के बाद स्पेशल स्टाफ मेट्रो की टीम ने विस्तृत जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास किए। जांच टीम ने मेट्रो स्टेशनों एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी बढ़ाई गई तथा स्थानीय स्तर पर लगातार सूचनाएं विकसित की गईं। टीम ने मेट्रो परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी। लगातार प्रयास, तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने चोरी की वारदात में शामिल दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी

नवीन शर्मा
पुत्र परमाणंद शर्मा
निवासी : मकान नंबर 13, गली नंबर 04, वेस्ट चंदर नगर, दिल्ली
आयु : 54 वर्ष

चंदन अग्रवाल
पुत्र किशन लाल अग्रवाल
निवासी : मकान नंबर C-224, गली नंबर 13, निगम स्कूल के पास, न्यू उस्मानपुर, दिल्ली
आयु : 41 वर्ष

बरामदगी

पूछताछ एवं तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से निम्न सामान बरामद किया गया—

27,000 नकद
एक गोल्डन वॉच

बरामद संपत्ति को विधि अनुसार जब्त कर लिया गया है।

आगे की जांच जारी–मामले में आगे की जांच जारी है ताकि आरोपियों की अन्य चोरी की घटनाओं में संलिप्तता का पता लगाया जा सके तथा शेष चोरी हुए सामान की बरामदगी की जा सके। स्पेशल स्टाफ मेट्रो की त्वरित एवं पेशेवर कार्रवाई एक बार फिर दिल्ली मेट्रो पुलिस की यात्रियों की सुरक्षा एवं मेट्रो नेटवर्क में अपराध नियंत्रण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बी. भारत रेड्डी, आईपीएस डीसीपी, मेट्रो

सिंघवी ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के एसआईआर संबंधी फैसले ने जितने सवालों के जवाब दिए, उससे कहीं अधिक सवाल खड़े कर दिए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: कांग्रेस के कानून, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के चेयरमैन डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को लेकर अपने फैसले से जितने जवाब दिए हैं, उससे कहीं अधिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार नागरिकता के विषय में अंतिम निर्णय लेने वाली संस्था चुनाव आयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि नागरिकता अधिनियम के तहत इसकी निर्णायक संस्था केवल सक्षम प्राधिकारी, मुख्य रूप से गृह मंत्रालय ही है। फैसले में यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग इस मुद्दे को केवल प्रशासनिक रूप से संभाल सकता है। एक बड़े विरोधाभास की ओर इशारा करते हुए डॉ. सिंघवी ने कहा कि फैसले में लिखा है कि जहां नागरिकता का सवाल उठेगा, वहां चुनाव आयोग को यह मामला गृह मंत्रालय जैसे सक्षम प्राधिकारी को भेजना होगा और उसका निर्णय बाध्यकारी होगा। उन्होंने सवाल उठाए कि यदि नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है, तो देश के विभिन्न राज्यों

में लगभग 7.5 करोड़ लोगों को नागरिकता का निर्णय होने से पहले ही मतदाता सूची से कैसे बाहर कर दिया गया? उन्होंने पूछा कि करोड़ों लोगों का मताधिकार एक ऐसी संस्था द्वारा कैसे छीना जा सकता है, जिसे ये अधिकार ही नहीं है? उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पैरा 97 से 101 तक का अध्ययन करने पर साफ पता चलता है कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग की ओर से गंभीर खामियां थीं, जिनमें सुधार केवल इसलिए संभव हो पाया क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दल और एनजीओ अदालत पहुंचे थे।

जमाअत के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने ईद-उल-अज़्हा की मुबारकबाद पेश की, इब्राहीम (अस) की आस्था और मूल्यों के पुनः प्रवर्तन का आह्वान किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने ईद-उल-अज़्हा के मुबारक मौके पर सहृदय शुभकामनाएँ और मुबारकबाद पेश करते हुए कहा "अल्लाह इस ईद को सुख और चैन का माध्यम बनाए, शांति और सुरक्षा का अग्रदूत बनाए, और एक ऐसे नए दौर की शुरुआत बनाए जो न्याय, विनम्रता और कल्याण के प्रकाश से अलंकृत हो।" ईद-उल-अज़्हा का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा, यह तौहीद का त्योहार है — एक ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का, केवल उसी के समक्ष पूर्ण रूप से स्वयं को सौंप देने का, और बहुदेववाद तथा हर प्रकार के मिथ्या मोह से मुक्ति का उत्सव। यह वफ़ादारी का त्योहार है: अल्लाह के साथ किए गए वादे के प्रति वफ़ादारी; कठिन परीक्षाओं के समय भी सत्य के प्रति अटल वफ़ादारी; और ऐसी

वफ़ादारी, जो बिना किसी संकोच के बलिदान की माँग करती है। यह दृढ़ता का त्योहार है ईद-उल-अज़्हा हमारी आँखों के सामने सय्यदना इब्राहीम (उन पर शांति हो) के उस तेजस्वी उदाहरण को फिर से जीवंत कर देती है, जो सबसे कठिन परीक्षाओं के बीच भी सत्य और दृढ़ विश्वास के साथ पर्वत की तरह अटल रहे। क़ुरआन पाक की एक आयत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा 'क़ुरआन इस उदाहरण को ऐसे शब्दों में अमर कर देता है, जो हर युग में मानवता का मार्गदर्शन करते रहते हैं।' जमाअत के अध्यक्ष ने आगे बताया "यह ईद धैर्य और मज़बूती की, पक्के इरादे और एकाग्रता की ईद है। यह ईद कुर्बानी का जश्न है। यह स्वयं को, अपने सारे वजूद को, अपने पूरे जीवन और पूरे परिवार को सच्चाई के लिए कुर्बान करने और अल्लाह की मर्ज़ी के आगे झुकने की सच्ची भावना का जश्न है, वह मिसाल जो खलीलुल्लाह (अल्लाह के दोस्त) ने पूरी इंसानियत के लिए छोड़ी है।" सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा "वर्तमान हालात में इब्राहीम (अस) के आदर्श में मुस्लिम समुदाय के लिए एक बड़ी सीख, कामयाबी और सरबुलंदी का एक बड़ा राज़ निहित है। निस्संदेह, मुस्लिम समुदाय दुनिया भर में और हमारे देश में भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। सय्यदना इब्राहीम (उन पर शांति हो) का आदर्श प्रदर्शित करता है कि ऐसी चुनौतियाँ ईमान वालों का इम्तिहान लेती हैं, और यह अल्लाह की सुन्नत है कि उन्होंने बड़ी कामयाबियों को पक्के संकल्प और दृढ़ता जैसे गुणों से जोड़ा है।"

डकैती के पैसे से खरीदी ज्वेलरी और प्लॉट, मास्टरमाइंड समेत 6 दबोचे, 4 नाबालिग शामिल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 40 लाख रुपये की डकैती मामले में बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत छह आरोपितों को पकड़ने के साथ अपराध की कमाई से खरीदी गई ज्वेलरी और राजस्थान में खरीदे गए प्लॉट पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने अब तक 11.92 लाख रुपये नकद भी बरामद किए हैं। मामले में चार नाबालिग भी शामिल पाए गए हैं।उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बुधवार को बताया कि मामला केशवपुरम थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 436/2025 से जुड़ा है। 17 जुलाई 2025 को कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन के पास कारोबारी मनोज तवानिया से करीब 39.99 लाख रुपये की लूट हुई थी। वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश देशी कट्टा और चाकू से लैस थे।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर कई टीमें बनाई गईं। तकनीकी निगरानी, लोकल इंटेलिजेंस और लगातार छापेमारी के जरिए जांच आगे बढ़ाई गई। जांच के दौरान पहले चार बाल नाबालिग को पकड़ा गया। बाद में दिल्ली के मुकुंदपुर पार्ट-2 निवासी आरिफ को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि उसने वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपित और नाबालिग के कब्जे से कुल 11.92 लाख रुपये नकद बरामद किए। जांच के दौरान तकनीकी सर्विलांस और राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा दिल्ली में कई जगहों पर छापेमारी के बाद मामले के मास्टरमाइंड धीरज रंधावा उर्फ धर्मप्रीत उर्फ दलाल (27) को राजस्थान के श्रीगंगानगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि धीरज ने पहले एक नाबालिग को अपने साथ जोड़ा और बाद में अन्य नाबालिगों को पैसों का लालच देकर वारदात में शामिल किया।पुलिस के मुताबिक डकैती के बाद रकम को आरोपितों के रोल के हिसाब से बांटा गया था। मुख्य आरोपित धीरज ने लूटी गई रकम का बड़ा हिस्सा अपने पास रखा और उसी पैसे से सोने के गहने खरीदे। इतना ही नहीं, उसने राजस्थान के श्रीगंगानगर में नकद भुगतान कर एक प्लॉट भी खरीद लिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर एक सोने का मंगलसूत्र, सोने का कंगन, सोने की बालियां, दो सोने की अंगूठियां, एक मोटोरोला मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया। जांच में पुष्टि हुई कि ज्वेलरी नकद भुगतान कर डकैती के पैसों से खरीदी गई थी।पुलिस ने अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने के लिए बीएनएसएस की धारा 107 के तहत अदालत में कार्रवाई शुरू की। अदालत के आदेश पर ज्वेलरी को अटैच किया गया और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शिकायतकर्ता को वापस सौंप दिया गया। वहीं श्रीगंगानगर स्थित प्लॉट को अटैच करने की प्रक्रिया अभी जारी है।

गुरुग्राम में सैमसंग ने लॉन्च की नई Micro RGB TV सीरीज़, प्रीमियम एंटरटेनमेंट का नया दौर शुरू

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: गुरुग्राम, सैमसंग ने गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट के फ्लैगशिप स्टोर में अपनी नई माइक्रो RGB TV सीरीज़ लॉन्च की। इस सीरीज़ में R95H और R85H मॉडल शामिल हैं, जो 55 इंच से 115 इंच तक के स्क्रीन साइज में उपलब्ध हैं। नई टीवी सीरीज़ में माइक्रो RGB तकनीक, AI आधारित फीचर्स और Glare Free टेक्नोलॉजी दी गई है, जो बेहतर कलर, ब्राइटनेस और देखने का शानदार अनुभव प्रदान करती है। इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट के सी.ओ.ओ करण बजाज ने कहा कि यह लॉन्च ग्राहकों को प्रीमियम टीवी सेगमेंट में नया अनुभव देगा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने टीवी के लाइव डेमो का भी आनंद लिया।

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रचंड गर्मी और लू की स्थिति पर चर्चा, मंत्रालय करेंगे अपने क्षेत्रों से जुड़े उपाय

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बुधवार को प्रचंड गर्मी और लू की स्थिति पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने आज राष्ट्र के नाम आह्वान भी किया है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर मंत्रालय अब गर्मी एवं लू से जुड़े अपने क्षेत्रों के आवश्यक उपाय करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि मंत्रिमंडल में मौजूदा लू की स्थिति पर सभी मंत्रियों के साथ चर्चा की गई। इस विषय पर एक्स पर आज प्रधानमंत्री ने राष्ट्र से आह्वान भी किया है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर प्रत्येक मंत्रालय और विभाग ने आज अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा सकने वाले विशिष्ट कार्यों पर चर्चा की।वैष्णव ने कहा, "प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस प्रकार की बड़ी चुनौतियों का सामना करते समय, हमें 'पूरे राष्ट्र' की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।" उन्होंने बताया कि बैठक में

लू के बीच नागरिकों को राहत प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से स्वास्थ्य मंत्रालय, जल संसाधन क्षेत्र और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लागू की जा सकने वाली सुविधाओं और उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति के बीच नागरिकों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और जरूरतमंदों को पानी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

गैर-काल्पनिक लेखन को नई दिशा देने की पहल, शोधकर्ताओं और लेखकों के लिए बढ़ेंगे अवसर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। देश में गंभीर गैर-काल्पनिक लेखन और शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने घोषणा की है कि उसकी प्रतिष्ठित बुक फेलोशिप अब वर्ष 2026 से द्विवार्षिक (दो वर्ष में एक बार) के बजाय प्रतिवर्ष आयोजित की जाएगी। इसके अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया हर वर्ष खुलेगी और लगभग तीन माह तक जारी रहेगी।न्यू इंडिया फाउंडेशन की गवर्निंग बोर्ड के सदस्य निराजा गोपाल जायल ने कहा कि प्रतिवर्ष फेलोशिप आयोजित करना एनआईएफ की स्वाभाविक अगली यात्रा है। गंभीर गैर-काल्पनिक लेखन भारत को स्वयं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनआईएफ इस सहयोग को अधिक सुलभ, निरंतर और प्रभावी बनाना

THE NewIndia FOUNDATION

चाहते हैं।पिछले लगभग दो दशकों से भारत की स्वतंत्रता-उपरांत यात्रा, सामाजिक परिवर्तन, राजनीति, संस्कृति और समकालीन विषयों पर गंभीर विमर्श को प्रोत्साहित करने वाली एनआईएफ बुक फेलोशिप अब और अधिक लेखकों, शोधकर्ताओं तथा विचारकों तक पहुंच बना सकेगी।उन्होंने कहा कि यह फेलोशिप केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि चयनित फेलोज को मासिक वित्तीय सहयोग, संपादकीय मार्गदर्शन, विशेषज्ञ परामर्श (मेंटरशिप) तथा बौद्धिक समुदाय का सहयोग भी प्रदान करती है। इसे भारत की सबसे प्रतिष्ठित लेखन फेलोशिपों में गिना जाता है।फाउंडेशन के अनुसार, यह परिवर्तन भारत में उभरते विमर्शों, नए शोध विषयों और बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्यों के अनुरूप अधिक सक्रिय और समावेशी भूमिका निभाने की दिशा में उठाया गया कदम है। इससे वे लेखक भी लाभान्वित होंगे जो पूर्व चयन प्रक्रिया में मामूली अंतर से पीछे रह गए थे और जिन्हें पुनः आवेदन के लिए दो वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी।फाउंडेशन ने बताया कि समय के साथ प्रतिवर्ष चयनित होने वाले फेलोज का विस्तृत नेटवर्क एक सशक्त बौद्धिक समुदाय का निर्माण करेगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लेखकों को सहयोग, संवाद और मार्गदर्शन प्रदान कर सकेगा। इससे भारत में गंभीर गैर-काल्पनिक लेखन की सांस्कृतिक उपस्थिति भी अधिक सुदृढ़ होगी।गवर्निंग बोर्ड के सदस्य श्रीनाथ राघवन ने कहा कि हर वर्ष प्राप्त होने वाले बड़ी संख्या में आवेदन इस बात का संकेत हैं कि भारत में गैर-काल्पनिक लेखन का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। वार्षिक फेलोशिप चक्र इस क्षेत्र को विस्तार देने के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता को भी समृद्ध करेगा।उन्होंने बताया कि लगभग 20 वर्ष पूर्व स्थापित न्यू इंडिया फाउंडेशन का उद्देश्य स्वतंत्रता के बाद के भारत के इतिहास और परिवर्तनशील समाज को समझने के लिए गंभीर शोध और लेखन को प्रोत्साहित करना था। वर्तमान में संस्था एनआईएफ बुक फेलोशिप, अनुवाद फेलोशिप तथा कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार जैसे प्रमुख कार्यक्रम संचालित करती है। पिछले दो दशकों में यह फेलोशिप लगभग 40 उच्च गुणवत्ता वाली गैर-काल्पनिक पुस्तकों को समर्थन प्रदान कर चुकी है, जिनमें राजनीतिक जीवनियों से लेकर सांस्कृतिक इतिहास और संस्मरण तक शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

जेवर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए इलेक्ट्रिक बसें होंगी उपलब्धः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान , लखनऊ : जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के साथ यात्रियों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आवागमन के लिए प्राथमिक चरण में 110 इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में 500 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 जून से प्रस्तावित उड़ान संचालन से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं तथा वर्ष 2030 तक 10 हजार चार्जिंग स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक लगभग 2500 चार्जिंग स्टेशन संचालित हो चुके हैं।

ईदगाहों से मस्जिदों तक सफाई का महाअभियान, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व में नगर पालिका सक्रिय

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी , सम्भल। आगामी ईदुल अज़हा के पर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराने के लिए नगर पालिका परिषद सम्भल ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान के निर्देशन में नगर पालिका की टीमें लगातार शहरभर में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं।

चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान, अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी एवं चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व में ईदगाहों से लेकर शहर की सभी प्रमुख मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नमाजियों के लिए ईदगाहों में साफ-सफाई के साथ सफ़ें बिछाने की व्यवस्था भी कराई जा रही है। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के सभी सफाई कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ईद के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कुर्बानी के बाद निकलने वाले वेस्टेज का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए अलग से डंपिंग ग्राउंड तैयार किए गए हैं तथा मेन रोड्स और संवेदनशील इलाकों में विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था भी की जा रही है। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं बेहतर माहौल उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। ईदुल अज़हा के मौके पर 37 वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाकर लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि त्योहार पूरी अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया जा सके।

गौवंश तस्करी रोकने तथा गौ सम्मान अभियान के तहत ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः बुधवार को गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत हसनपुर तहसील परिसर में नायब तहसीलदार नेहा सागर को एक ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए था जिसमें प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल की सराहना की गई जिसमें राम मंदिर निर्माण और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे कार्यों का उल्लेख किया गया, समस्त सनातनी, गौभक्तों और संत समाज की ओर से देश में गोवंश की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई, नागरिकों ने गोवंश की तस्करी, वध और सड़कों पर उनकी दुर्दशा को पीड़ा दायक बताया, ज्ञापन में कहा गया कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धूरी भी है, ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी सरकार होगा जब किसान रासायनिक खाद मुक्त होकर गौ आधारित प्राकृतिक कृषि को अपनाएंगे, अभियान के तहत राष्ट्र हित में गोवंश के सम्मान, सुरक्षा और सेवा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की गई, इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता मुजाहिद चौधरी, एडवोकेट वीर सिंह त्यागी, मंगल सेन शर्मा एडवोकेट, संजय चौहान एडवोकेट, आनंद कुमार आदि दर्जनो लोग मौजूद रहे 1

पूर्व लेखपाल हरिराज़ पर रिश्वत लेकर काम न करने का आरोप

पैसे वापस मांगने पर दी धमकी38 हजार रुपये लेने के बाद भी नहीं हुआ काम, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/जनपद मुरादाबाद के थाना भगतपुर क्षेत्र स्थित खबड़िया घाट में पूर्व लेखपाल हरिराज़ पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व लेखपाल ने एक कार्य कराने के

नाम पर 38 हजार रुपये लिए, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं कराया गया। आरोप है कि जब पीड़ित पक्ष ने अपने पैसे वापस मांगे तो पूर्व लेखपाल ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। वहीं स्थानीय पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

संभल में महंगाई के विरोध में सपा का प्रदर्शन राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/ बहजोई देश में लगातार बढ़ रही महंगाई के खिलाफ समाजवादी पार्टी जिला इकाई संभल ने जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, दालें और दैनिक जरूरत की वस्तुओं के दाम बेलगाम होते जा रहे हैं। इससे किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार महंगाई पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। इस दौरान राज्यसभा सांसद चुनाव जावेद अली खान ने कहा, "पेट्रोल-डीजल पर भारी टैक्स के कारण परिवहन महंगा हो रहा है, जिसका सीधा असर हर सामान की कीमत पर पड़ रहा है। सरकार तुरंत तेल पर टैक्स घटाए और आवश्यक वस्तुओं के दाम नियंत्रित करे।" सांसद संभल जनाब जियाउर रहमान ने कहा महंगाई पर विरोध, संसद से सड़क तक आवाज बुलंद की जायेगी समाजवादी पार्टी के प्रदर्शन के बाद अब महंगाई का मुद्दा और गरमा गया है। क्षेत्र के सांसद ने कहा पेट्रोल-डीजल व आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। सांसद ने कहा, "लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के कारण ट्रांसपोर्ट से लेकर खेती-किसानी तक सब महंगा हो गया है। केंद्र सरकार तुरंत एक्साइज ड्यूटी कम कर जनता को राहत दे।" वहीं गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा विधानसभा में भी मुद्दा उठाने की बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस, दाल, आटा और सब्जियों के दाम गरीब की थाली से दूर होते जा रहे हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी कमजोर पड़ गई है। सांसद-विधायकों ने संयुक्त बयान में मांग की कि सरकार फौरन मूल्य नियंत्रण बोर्ड बनाए और जरूरी वस्तुओं पर सब्सिडी बढ़ाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर लगाम नहीं लगी तो संसद से लेकर सड़क तक जन-आंदोलन तेज किया जाएगा। पूर्व मंत्री अकिल उर रहमान साहब ने भी महंगाई के विरोध में आवाज उठाने का काम किया पूर्व विधायक राजेश यादव ने भी बढ़ती महंगाई पर रोस जाताया सपा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के द्वारा भेजा जा रहा है उन्होंने राष्ट्रपति महोदय से महंगाई पर हस्तक्षेप की मांग की थी ज्ञापन में उपस्थित रहे । जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर फिरोज खान विमलेश कुमारी उमेश दिवाकर राजेश कुमारी सुनीता यादव दुर्गेश दिवाकर ममता मधुकर कचन राजौरिया सजीव यादव विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव विधानसभा अध्यक्ष इरफान पधान अखिलेश यादव ओमप्रकाश प्रजापति विटटू कश्यप सुरेंद्र यादव शोभित कुमार काका पप्पू यादव फैजान शाही सदाम कुरैशी बलबत सिह सुभाष पाल सुभाष वाल्मीकि ठाकुर के पी सिंह सजय मदान रजत यादव रिकु चौहन मास्टर आकिल सुमित यादव के पी राजीव रस्तोगी रविंद्र सिह लव कुमार यादव मनीष यादव शिवम यादव चेतन गुप्ता हनी बाबा आकाश शखधार अशोक राणा पप्पू शमा मुकेश खजरा डा हो राम सिह मुजफ्फर प्रधान सौरभ शखधार विनोद शखधार जीशान निसार अहमद कमल शर्मा आलम कुरेशी शेख सददन नन्नू नेताजी बहापुर सुरज यादव जबर सिह यादव राजेश यादव रामौतार यादव अमरीश यादव सत्य भान यादव शिवनरायन यादव सतेंद्र यादव ललतेश यादव हाफिज अनजर असीम अगवाल आरिफ पधान शाकिल असारी मुरशीद खा तसलीम रहीस अहमद कपिल देव वीरन यादव राजवीर यादव विवेक आजाद मनोज शमा अनिकेत जाटव राजू सागर विलाल रियासत लालू खडगबसी अकित गुप्ता गुडडू ठाकुर टीटू ठाकुर राजवीर कशयप अरूण जाटव मुनीष जाटव आदि उपस्थित रहे

बिजली उपभोक्ताओं ने भीम आर्मी भारत एकता मिशन के बैनर तले किया धरना प्रदर्शन

जे ई को सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान

सीतापुरः विकास खण्ड खैराबाद के धरैचा में बिजली की वोल्टेज और कटौती की समस्याओं को लेकर नाराज सैकड़ो उपभोक्ताओं ने भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला अध्यक्ष राकेश राजवंशी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया। वही जिला अध्यक्ष ने कहा एक तरफ आसमान से आग बरस रही है, हाई टेंप्रेचर में मानव को जीना मुश्किल हो रहा है, इतनी भीषड़ गर्मी पड़ रही है, दूसरी तरफ मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ा हुआ है। लेकिन विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जन हित की समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दे रहे। धरना प्रदर्शन की सूचना पर बिजली विभाग जे ई राजेंद्र प्रसाद मौके पर ज्ञापन प्राप्त किया, और ग्रामीणों को समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया, तब ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया । अधिकारियों ने कहा,कार्य को प्राथमिकता के आधार पर 1 माह के अंदर नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। जिन उपभोक्ताओं के घरो में स्मार्ट मीटर लगे हैं ,और समस्या आ रही है, उनकी समस्या का निदान किया जायेगा। जिसमें ग्रामीणों ने कहा निश्चित समय पर कार्य पूरा न होने पर एस डी ओ ऑफिस का घेराव किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर जिला महासचिव, विनोद गौतम, गोपीनाथ ,संतोष गौतम ,सुनील भार्गव ,गयादीन राजवंशी ,अमरीश भार्गव, पार्वती, जय भार्गव,अमित भार्गव, आयुष गौतम, महेश्वर बख्श सिंह ,हौसला बख्श सिंह ,धर्मेंद्र, पिंकू, रामअवतार, रमाकांत, सहित अन्य इलाके के ग्रामीण मौजूद रहे।

मनौना धाम से मासूम का अपहरण, आधी रात पुलिस की मुठभेड़ में बच्चा बरामद

» SP साउथ अंशिका वर्मा की रणनीति से बच्चा चोर गैंग बेनकाब, गोलीबारी के बीच डेढ़ साल का ऋषभ सुरक्षित

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली के प्रसिद्ध मनौना श्याम धाम मंदिर से अगवा किए गए डेढ़ साल के मासूम ऋषभ की सकुशल बरामदगी ने पूरे जिले में राहत की सांस भर दी। रविवार दोपहर मंदिर परिसर से अचानक गायब हुए बच्चे को लेकर जहां परिवार बदहवास था, वहीं पुलिस ने भी इसे प्रतिष्ठा का सवाल मानते हुए लगातार ऑपरेशन चलाया। आखिरकार मंगलवार आधी रात अलीगंज रोड पर हुई फिल्मी मुठभेड़ में पुलिस ने बच्चा चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए मासूम ऋषभ को सुरक्षित छुड़ा लिया। इस पूरी कार्रवाई में एसपी साउथ अंशिका वर्मा की रणनीति और तेज मॉनिटरिंग निर्णायक साबित हुई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच कई राउंड फायरिंग हुई, जिसमें हेड कांस्टेबल उमेश घायल हो गए, जबकि दोनों अपहरणकर्ताओं के पैर में गोली लगी।

मनौना धाम से अचानक गायब हुआ मासूम, मचा हड़कंप-रविवार दोपहर मनौना श्याम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। इसी दौरान मंदिर परिसर में सफाईकर्मी रमन का डेढ़ साल का बेटा ऋषभ खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया। कुछ ही मिनटों में मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। परिवार बदहवास होकर बच्चे को ढूंढता रहा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण रैकेट का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : बुधवार को कोतवाली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस तथा हरियाणा से आई टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़े अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण रैकेट का भंडाफोड़ किया है इस कार्रवाई में दिल्ली और हरियाणा से जुड़े छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, बता दें कि बुधवार को गंगा बांध के नजदीक स्थित गांव चक की मढैया सतैड़ा में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने एक मकान पर छापा मारा टीम ने मौके से अवैध रूप से लिंग परीक्षण कर रहे गिरोह को रंगे हाथों पकड़ा, हरियाणा के रोहतक से पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉक्टर विश्वजीत राठी, झज्जर से डॉ संदीप दलाल और अमरोहा के नोडल अधिकारी जसकरन सिंह गंगवार के नेतृत्व में टीम ने अमर सिंह के मकान पर छापा मारा टीम के भीतर दाखिल होते ही पाया गया कि पोर्टेबल अल्ट्रासाऊंड मशीन से भ्रूण लिंग परीक्षण किया जा रहा था, मशीन संचालक और मुख्य आरोपी देवेंद्र निवासी करनखाल मौके से भागने लगा जिसे टीम ने करीब डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल से पीछा कर दबोच लिया, वहीं इस संबंध में डॉक्टर विश्वजीत राठी ने बताया कि विभाग को लगातार इस अवैध रैकेट की सूचना मिल रही थी दलालों के माध्यम से दिल्ली और हरियाणा के महिलाओं को यहां लाया जाता था जाच में सामने आया कि भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए मोटी रकम वसूली जा रही थी, इसमें इशा निवासी निलोठी विकासपुरी दिल्ली से 35000 रुपए, मोनिका निवासी शाहलाबाद झज्जर से 48500 और अमित निवासी महमफरमाना रोहतक से 35000 रुपए वसूले गए, छापेमारी की सूचना पर नायब तहसीलदार नेहा सागर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर धुरवेंद्र सिंह और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे, टीम ने मौके से अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण में में इस्तेमाल की जा रही पोर्टेबल अल्ट्रासाऊंड मशीन और आरोपियों के कब्जे से कुल 1,33,000 की नकदी बरामद की, पुलिस ने मुख्य आरोपी के देवेंद्र, बिट्टू उर्फ विपिन, दलाल रविंद्र निवासी झज्जर सहित परीक्षण करने आई महिलाओं सहित कूल 6 लोगों को हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है, इस संबंध में कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया की तहरीर के आधार पर मामले में मुकद्दर किया जा रहा है 1

व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 द्वारा मीठे शरबत का किया गया वितरण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को नौतपा की अत्यधिक गर्मी होने के कारण व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के तत्वाधान में संगठन के जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता के प्रतिष्ठान के निकट राहगीरों को शरबत का वितरण किया गया जिसमें अनेकों लोगों ने शरबत का सेवन कर प्यास बुझाई, कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक राजपाल सैनी चैयरमैन नगर पालिका परिषद हसनपुर, संगठनके प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता, पंकज भटनागर, जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता, नगर महामंत्री विक्रांत शर्मा, नगर उपाध्यक्ष विशाल वर्मा, नगर उपाध्यक्ष अमरीश ठाकुर, नितिन बंसल, हर्षित, लकी, ऋषभ, उमंग अग्रवाल, राजवीर खड़क बंशी आदि सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे 1

विकास की गंगा में नहा रहा संभल, वार्ड नं. 7 डेरा सराय में तेज़ी से हो रहा सड़क निर्माण कार्य

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका परिषद संभल द्वारा शहर में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार तेज़ होती जा रही है। इसी क्रम में आज वार्ड नं. 7 डेरा सराय में फुलवार वाली सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे समाजसेवी जनाब चौधरी मुबाशिर खान। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि जनता को बेहतर सड़क, सफाई और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना ही प्राथमिक उद्देश्य है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती आसिया मुशीर अली खान एवं चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व में संभल शहर में विकास की नई तस्वीर देखने को मिल रही है। शहर के विभिन्न वार्डों में सीसी रोड, नालियों, सौंदर्यीकरण और अन्य जनहित कार्यों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे लोगों में खुशी का माहौल है। वहीं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की निगरानी में विकास कार्यों को तेज़ गति से कराया जा रहा है। शहर में हो रहे लगातार सौंदर्यीकरण और सड़क निर्माण कार्यों की आमजन द्वारा सराहना की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद संभल में इतने बड़े स्तर पर विकास कार्य दिखाई दे रहे हैं। वार्डों में बन रही नई सड़कें और हो रहे सौंदर्यीकरण से शहर की तस्वीर बदलती नजर आ रही है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा महिला प्रकोष्ठ की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोनी चौधरी को नियुक्त किया गया

उत्तराखंड राज्य का मिला कार्यवाहक

लोक तंत्र की शान, स्टेट ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

देहरादून। उत्तराखंड/काशीपुर। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला द्वारा उधम सिंह नगर जनपद के काशीपुर निवासी मोनी चौधरी को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मोनी चौधरी की नियुक्ति के बाद संगठन कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मोनी चौधरी लंबे समय से सामाजिक एवं महिला हितों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही हैं। उनकी मेहनत, लगन और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोनी चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगी तथा महिलाओं और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने का काम करेंगी। इस अवसर पर संगठन के कई कार्यकर्ताओं ने मोनी चौधरी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

10 लाख की लूट, थाना से 300 मीटर दूर बाइक सवारों ने ज्वेलर्स के बैग छीनकर भागे

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर। वैशाली जिले में देर रात एक बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया गया। यह वारदात गोरौल थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे पुलिस गश्त पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना गोरौल थाना क्षेत्र के गोरौल चौक पर स्थित राहुल व हर्ष ज्वेलर्स दुकान के पास हुई। दुकान मालिक राहुल कुमार रात में दुकान का शटर बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनके हाथ से आभूषण से भरा बैग झपट्टा मारकर छीन लिया और मौके से फरार हो गए। दुकानदार ने शोर मचाया और अपराधियों का पीछा भी किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। पीड़ित दुकानदार राहुल कुमार ने बताया कि छीने गए बैग में दुकान की चाबी के साथ लगभग 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 24 हजार रुपये नकद थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की, लेकिन अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा है, लेकिन चूंकि दुकान की चाबी भी लूटे गए बैग में थी, इसलिए दुकान अभी तक नहीं खुल पाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद से पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं और स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है। मामले के खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जिले की डीआईयू (जिला खुफिया इकाई) टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

भूमि विवाद पंचायत हिंसक झड़प में बदली, जनप्रतिनिधियों के सामने 12 लोग घायल, दोनों पक्ष ने दिया आवेदन

लोकतंत्र की शान , हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में भूमि विवाद को लेकर बुलाई गई पंचायत हिंसक झड़प में बदल गई। इस घटना में महिलाओं सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया है। नगवां पंचायत में लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद के समाधान के लिए यह पंचायत आयोजित की गई थी। पंचायत की अगुवाई सरपंच प्रतिनिधि क्रांति पटेल और मुखिया प्रतिनिधि विंदा सिंह कर रहे थे। दोनों पक्षों के लोग बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए एकत्र हुए थे। पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि कुछेक मुद्दों को बेवजह तूल दिया गया। इसी बीच, एक पक्ष के जैनुल टेलर और दूसरे पक्ष के रफाकत हुसैन के बीच किसी बात पर तीखी बहस छिड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ ही देर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि रफाकत हुसैन पक्ष के लोगों ने पंचायत के बीच ही जैनुल टेलर पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों ओर से लाठी-डंडे, तलवार और फरसा चलने लगे। अचानक हुई हिंसा से मौके पर भगदड़ मच गई और पंचायत में मौजूद जनप्रतिनिधियों को वहां से हटना पड़ा। इस मारपीट में एक पक्ष के हसन रजा, नूरुल होदा, अली राजा, जाकिर हुसैन और शबाना खातून घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से रफाकत हुसैन, मन्नान, सज्जाद हुसैन, रौशन खातून और मोहम्मद फारूक सहित कई लोग जख्मी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बेलसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनों पक्षों से आवेदन लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

दहेज हत्या मामले में आरोपी पति बरी, कोर्ट ने 10 साल बाद किया रिहा, वकील बोले- सच की जीत हुई

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में आरोपी संजीत महतो को बरी कर दिया है। एडीजे-1 की अदालत ने उन्हें दस साल बाद आरोपी को बाइज्जत रिहा किया। संजीत महतो पारू थाना क्षेत्र के केशोपुर वभनगांव के निवासी हैं। यह मामला संजीत महतो के ससुर शंकर महतो ने पारू थाना में दर्ज कराया था। इसकी प्राथमिकी संख्या 250/16 थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में चार गवाह पेश किए थे। हालांकि, आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के अभाव में अदालत ने उन्हें रिहा करने का फैसला सुनाया। संजीत महतो का बचाव मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा ने किया। उन्होंने अदालत में मजबूती से अपना पक्ष रखा। रिहाई के बाद वकील झा ने कहा, "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।" उन्होंने यह भी बताया कि संजीत महतो एक गरीब परिवार से आते हैं और उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे।

देसी कट्टा के साथ 5 बदमाश अरेस्ट, 212 पुड़िया स्मैक सहित आधार कार्ड जब्त

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र में 22 मई 2026 को हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूटा गया सामान, एक देसी कट्टा, 212 पुड़िया स्मैक और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। बाइक सवार युवक से हुई लूट की इस घटना के संबंध में कांटी थाना में कांड संख्या 316/26 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी और सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की और आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। सबसे पहले सुंदरम कुमार, धर्मनाथ कुमार उर्फ बड़ी और दीपक कुमार उर्फ विवेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर कपरपुरा ओवरब्रिज के पास छापेमारी कर लूटा गया आधार कार्ड, ऑनर बुक और एक देसी कट्टा बरामद किया गया। इसके बाद, पुलिस ने कांटी हाईस्कूल के पीछे स्थित लीची बगान में छापा मारा और गौरव कुमार और राज कुमार यादव उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 212 पुड़िया स्मैक और लूटकांड में इस्तेमाल की गई बाइक मिली। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने कांटी थाना क्षेत्र में हुई कई अन्य आपराधिक घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, इन अपराधियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पहले से आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और लूट के कई मामले दर्ज हैं। बरामद देसी कट्टा और स्मैक को लेकर पुलिस ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल, पुलिस पूरे गिरोह और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है, साथ ही अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

मुजफ्फरपुर में कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ठगी का आरोपी अरेस्ट, लोगों के साथ-साथ कंपनी को भी ठगा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह एक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर ग्राहकों के साथ-साथ कंपनी को भी ठगी का शिकार बना रहा था। मामले में पुलिस ने गिरोह के सक्रिय सदस्य मोहम्मद चांद को गिरफ्तार किया है, जबकि इसका मास्टरमाइंड अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि लगातार साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मोतीपुर थाना क्षेत्र में संचालित एक संदिग्ध नेटवर्क का पता चला। जांच में सामने आया कि सरैया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद चांद "एक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड" नामक निजी कंपनी की फ्रेंचाइजी चला रहा था। आरोप है कि वह ग्राहकों से ओटीपी लेकर उनके ऑर्डर में हेरफेर करता था। कई मामलों में ग्राहकों का रिफंड पैसा भी ओटीपी के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया जाता था। इस पूरी प्रक्रिया में कंपनी की साख और सिस्टम का भी दुरुपयोग किया जा रहा था, जिससे कंपनी भी ठगी का शिकार बनी। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मोतीपुर स्थित एक गोदाम से साइबर फ्रॉड से जुड़े काम किए जा रहे हैं। इसके बाद साइबर थाना की टीम ने कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्कैनर समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। फिलहाल जब्त उपकरणों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस नेटवर्क के जरिए कितने लोगों को ठगा गया और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल का फाइनल रिजल्ट जारी, 13 लाख कैंडिडेट्स ने दिया था एग्जाम

19,838 अभ्यर्थियों का हुआ सिलेक्शन, इनमें 17 ट्रांसजेंडर

लोकतंत्र की शान, पटना

केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया में कुल 19,838 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी भी शामिल हैं। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट CSBC की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। भर्ती के लिए कुल 17,06,628 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए थे।

PET में 79 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिलः लिखित परीक्षा के आधार पर 99,690 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PT) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। पर्षद के अनुसार, PET में कुल 79,932 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें 50,477 पुरुष, 29,426 महिला, 29 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेरिट लिस्ट तैयार की गई। अंतिम लिस्ट में कुल 19 हजार 838 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें बिहार पुलिस के लिए 16 हजार 852 और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) के लिए 2,986 अभ्यर्थियों को चुना गया है। चयनित अभ्यर्थियों में 12 हजार 509 पुरुष, 7 हजार 312 महिलाएं और 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अलावा 332 प्रशिक्षित गृह रक्षक और 190 स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी चयन सूची में जगह दी गई है।

20 जून से देना होगा योगदानः केंद्रीय चयन पर्षद ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 20 जून 2026 से 19 जुलाई 2026 के बीच संबंधित नियुक्ति प्राधिकारी के कार्यालय में योगदान देना होगा। नियुक्ति से पहले अभ्यर्थियों का कैरक्टर सर्टिफिकेट और मेडिकल कराई जाएगी।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 कुल 6 चरणों में आयोजित की गई थी। केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने यह परीक्षा 16 जुलाई, 20 जुलाई, 23 जुलाई, 27 जुलाई, 30 जुलाई और 3 अगस्त 2025 को आयोजित कराई थी। इस भर्ती का विज्ञापन मार्च 2025 में जारी किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 16,73,586 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए। पर्षद के अनुसार, परीक्षा के दौरान अनियमितता या गलत जानकारी देने के कारण 71 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया गया। लिखित परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) के लिए बुलाया गया था, जिसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की गई।

जिले में LPG गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर प्रशासन की नजर, लंबित वितरण शीघ्र पूरा करने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसाः जिला प्रशासन द्वारा रसोई गैस (LPG) की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जारी अद्यतन सूचना के अनुसार जिले में विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा सिलेंडर वितरण का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है, साथ ही लंबित वितरण को शीघ्र निष्पादित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत गैस अंतर्गत कार्यरत स्थानीय एजेंसियों द्वारा 26 मई 2026 को कुल 1608 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 2988 भरे हुए गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। इस श्रेणी में बैकलॉग दिनों की संख्या 3.9 बताई गई है, जबकि औसत बिक्री 1276 सिलेंडर प्रतिदिन है। इसी प्रकार, HP गैस अंतर्गत एजेंसियों द्वारा उक्त तिथि को 1757 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 3731 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। यहां बैकलॉग दिनों की संख्या 3.83 तथा औसत बिक्री 1563 सिलेंडर प्रतिदिन दर्ज की गई है। वहीं, इंडेन गैस के अंतर्गत कार्यशील एजेंसियों द्वारा 26 मई को 2232 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 2434 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। इस श्रेणी में बैकलॉग दिनों की संख्या 3.98 है तथा औसत बिक्री 2243 सिलेंडर प्रतिदिन है। जिला प्रशासन ने संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया है कि वे लंबित वितरण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया है।

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (BECIL) की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ। BECIL, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन एक मिनी रत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSE) है। हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने बक्सर के रामरेखा घाट पर BECIL द्वारा विकसित "मल्टीमीडिया, 3D प्रोजेक्शन मैपिंग एवं डायनेमिक लाइटिंग शो" का उद्घाटन किया है।

ईद-उल-अजहा को लेकर शांति समिति की बैठक विधि-व्यवस्था एवं जल जमाव पर विशेष जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः आसन्न ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज सहरसा में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण हेतु की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी शांति समिति के सदस्यों को दी गई। जिलाधिकारी ने बताया कि त्योहार के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसके लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही सूचना संप्रेषण को प्रभावी बनाने के लिए नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखा जाएगा। सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखी जा रही है और किसी भी प्रकार से आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के दौरान शहर में जल जमाव की समस्या के समाधान को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि शहर के नालों से जुड़े सभी 'मिसिंग लिंक' कार्यों को 15 जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक वार्ड में पंप की व्यवस्था की जाएगी तथा कार्यों के सुचारु संचालन के लिए पदाधिकारियों की तैनाती की जाएगी। जल जमाव की समस्याओं के त्वरित समाधान और निगरानी के लिए एक मॉनिटरिंग सेल का गठन भी किया जा रहा है। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने शहरवासियों से PNG कनेक्शन के लिए निबंधन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में PNG कनेक्शन सुलभ, सस्ता, सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल है। शेष वार्डों में भी PNG से संबंधित कार्य आगामी एक से डेढ़ महीने में पूर्ण कर लिया जाएगा। इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने हेतु शांति समिति के सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की गई है। PNG निबंधन से संबंधित जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7903710313 पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मरंची पीएचसी के बाहर एक घंटे तक तड़पता रहा मरीज, सिविल सर्जन ने जांच के आदेश दिए

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ डॉक्टरों ने बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर किया

मोकामा के मरंची प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एक बेहोश व्यक्ति को कथित तौर पर समय पर इलाज नहीं मिलने का मामला सामने आया है। अस्पताल कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगा है, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डूब रहे युवक को मजदूर ने बचाकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचायाः जानकारी के अनुसार, हाथीदह थाना क्षेत्र के राजेंद्र सेतु स्थित दुखहरण स्थान घाट पर स्नान के दौरान करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति पानी में डूब गया। मौके पर मौजूद रेल ब्रिज के मजदूरों ने उसे तुरंत बाहर निकाला। उस समय व्यक्ति पूरी तरह बेहोश था।

PHC में पहुंचने के बाद एक घंटे तक बस में ही पड़ाः मजदूरों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे एक मिनी बस से मरंची पीएचसी पहुंचाया, ताकि उसकी जान बचाई जा सके और तत्काल इलाज मिल सके। लेकिन पीएचसी पहुंचने के बाद भी मरीज करीब एक घंटे तक बस में ही पड़ा रहा।

अस्पताल कर्मियों ने मरीज को उठाने में सहयोग करने से मना कियाः बस चालक ने अस्पताल कर्मियों से कई बार मदद की गुहार लगाई। उसने बताया कि मरीज भारी और बेहोश है, इसलिए उसे अकेले अंदर लाना संभव नहीं है। आरोप है कि इसके बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने सहायता करने से इनकार कर दिया और कहा कि "जब तक मरीज को अस्पताल के अंदर नहीं लाया जाएगा, तब तक इलाज शुरू नहीं होगा।"

बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर कियाः घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल परिसर में हंगामा होने लगा। इसके बाद डॉक्टरों ने मरीज को बिना प्राथमिक उपचार दिए सीधे एनएमसीएच, पटना रेफर कर दिया।

मरीज की स्थिति गंभीर बनी हुई हैः सूचना मिलते ही हाथीदह थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस की मदद से मरीज को तत्काल पटना भेजा गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस अब तक उसकी पहचान नहीं कर सकी है।

इधर, मामले पर संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन योगेंद्र प्रसाद मंडल ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले अपराधी का एनकाउंटर

लोकतंत्र की शान, पटना

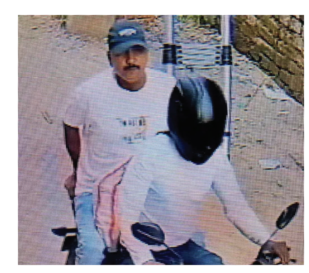

❐ पटना पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली, ज्वेलरी शॉप की रेकी कर रहा था अजय पासवान

बुधवार की सुबह पटना में दिनदहाड़े सिक्योरिटी वैन से 27 लाख लूट में शामिल बदमाश को पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी है। गोली पैर में लगी है। पुलिस ने उसके एक साथी अजय यादव उर्फ छोटू उर्फ सरवन को भी मौके से गिरफ्तार किया है। बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश की पहचान अजय पासवान के रूप में हुई है। एनकाउंटर पटना के मसौढ़ी इलाके में हुई है।

पटना में 13 मई को सिक्योरिटी वैन से 27 लाख रुपए की लूट हुई थी। पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल कुछ बदमाश मसौढ़ी इलाके में जमा हुए हैं। पुलिस और STF ने ने बदमाशों के ठिकाने की घेराबंदी की। पुलिस से घिरने के बाद बदमाश भागने लगे, खुद को घिरता देख अजय पासवान ने पुलिस पर 2 राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली बदमाश अजय पासवान के पैर में लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। आया है कि अजय पासवान और उसके गिरोह ने 2 दिन पहले मसौढ़ी के एक स्वर्ण व्यवसायी को निशाना बनाने की साजिश रची थी। इसके लिए अपराधियों ने व्यवसायी और दुकान की रेकी भी की थी। सिटी एस पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि, सुबह कुछ अपराधियों से मुठभेड़ हुई। पुलिस को सूचना मिली थी बदमाश लूट की प्लानिंग कर रहे हैं।

'लव गुरु' मटुकनाथ ने प्रशांत को बताया बाघ का कलेजावाला

लोकतंत्र की शान, पटना

रिटायर्ड प्रोफेसर मटुकनाथ चौधरी ने इन दिनों राजनीति की बातें कर रहे हैं। मटुकनाथ साल 2006 में जूली की लव स्टोरी से चर्चा में आए थे। उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट रही 'बांकीपुर' पर युवाओं को वोट से चोट देने की अपील की है। दूसरी ओर प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को सपोर्ट किया है। मटुकनाथ ने शोषक सरकार के नाम से पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मतदाता मतदान कर सो जाते हैं। 5 साल बाद लुटेरा फिर आता है। जनता को जगाकर वोट लेकर चला जाता है। जनता फिर सो जाती है। कोई हिसाब मांगने वाला है ही नहीं, तो चाहे जो वादा कर लो, लेकिन सोयी जनता को जगाने और "क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा" पर सवाल पूछने वाला प्रशांत और जन सुराज के सैकडों युवा मैदान में उतर चुके हैं। सावधान लुटेरों ! बाघ का कलेजावाला तुम्हारी पीठ पर सवार हो चुका है! वादा पूरा करो या गद्दी छोड़ो। पहले जनता नायक विहीन थी, मार्गदर्शक विहीन थी। प्रशांत के आगमन से वह संकट समाप्त हो गया है। अब चैन की वंशी नहीं बजा पाओगे। वे तुम्हारी नाक में दम कर देंगे। इसके अलावा मटुकनाथ ने अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि 'तोड़ो गढ़ प्रतिगामी पार्टी के... बांकीपुर के युवा-शक्तियों! न चुप बैठो हृदय हार के, तोड़ दो सारे बंधन एक परिवार के... देश को पीछे धकेलनेवाले कितने मगरूर हैं।

डॉक्टरों पर 10 करोड़ खर्च, सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की फैसिलिटी नहीं

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में करोड़ों की लागत से 200 बेड का सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बन रहा है। जी+7 सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बाहर से लगभग तैयार दिखता है। हालांकि, इसकी आंतरिक फिनिशिंग, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और सुरक्षा संबंधी परीक्षण अभी भी अधूरे हैं। लगभग 6 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपए की आधुनिक मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। जिनका उपयोग गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जाना है, लेकिन इंस्टॉल नहीं हैं। अधिकांश उपकरण पैककर बंद कमरों में रखे हुए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि उपयोग नहीं होने से मशीनों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि इन विशेषज्ञ चिकित्सकों के वेतन पर अब तक 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। बावजूद इसके मरीजों को सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा।

वारंटी और तकनीकी वैधता खत्म हो सकती हैः अस्पताल प्रशासन की चिंता है कि कई मशीनों की वारंटी और तकनीकी वैधता समय के साथ खत्म होने की स्थिति में पहुंच सकती है। यदि समय रहते इंस्टॉलेशन और ट्रायल नहीं हुआ, तो करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति बेकार हो सकती है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि किसी भी मेडिकल उपकरण की वास्तविक उपयोगिता तभी साबित होती है, जब वह मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो, लेकिन फिलहाल स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। 40 सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद, लेकिन मरीज नहीं सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं को शुरू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की प्रक्रिया के तहत लगभग 40 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। इनमें कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के डॉक्टर शामिल हैं।

यहां तक कि एक ट्रांसप्लांट सर्जन भी अस्पताल में पदस्थापित हैं, लेकिन जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होने के कारण एक भी ट्रांसप्लांट नहीं हो पा रहा है। अस्पताल के पास न तो तैयार वार्ड हैं, न ICU पूरी तरह चालू है और न ही ऑपरेशन थिएटर तकनीकी रूप से क्लियर हो पाए हैं। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों को वास्तविक चिकित्सीय कार्य नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टरों में निराशा बढ़ रही है और कुछ विशेषज्ञ संस्थान छोड़ने की तैयारी में हैं, तो कुछ विशेषज्ञ शैक्षणिक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईदुल अजहा पर्व को लेकर मेड़ता रोड थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड, एजाज़ अहमद उस्मानी। आगामी ईदुल अजहा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर बुधवार को मेड़ता रोड थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की मेड़ता आईपीएस रामकरण मलिंडा मेड़ता ने की। बैठक में कस्बे के विभिन्न समाजों के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था, यातायात, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान रामकरण मलिंडा ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि ईदुल अजहा का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है। बैठक में मौजूद नागरिकों ने भी प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया तथा सभी समुदायों से मिल-जुलकर त्योहार मनाने का संदेश दिया। साथ ही कस्बे में अमन, चैन और भाईचारे की परंपरा को कायम रखने पर जोर दिया गया। बैठक में आईपीएस रामकरण मलिंडा, मेड़ता रोड थानाधिकारी दयानंद शर्मा, मनीष शर्मा, कैलाश लटियाल, रामेश्वर गहलोत, रामनिवास लटियाल, इक़बाल खलीफा,जान मोहम्मद, किराणा व्यापार मंडल अध्यक्ष पूरणमल बिश्नोई, विक्रम सिंह सांगवा कैलाश शर्मा,संजू कासीम,अमीर खान, गफूर कुरैशी तथा मनोहर भाटी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक योगेन्द्र राणा ने क्षेत्रवासियों की सुनी समस्याएं

लोकतंत्र की शान ,राजेंद्र कैम की रिपोर्ट , करनाल/असंध: असंध विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेन्द्र राणा ने आज असंध अनाज मंडी स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं मांगें विधायक योगेन्द्र राणा के समक्ष रखीं। विधायक योगेन्द्र राणा ने प्रत्येक समस्या को

गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी शिकायतों का शीघ्र एवं प्रभावी निवारण सुनिश्चित किया जाए। श्री राणा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सेवा करना उनका प्रथम दायित्व है और जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित के कार्यों के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और असंध क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से करवाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक योगेन्द्र राणा ने असंध क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एंव केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन एवं सहयोग से क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है तथा आने वाले समय में भी विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

ट्रक से टकराकर होटल में घुसी टेम्पो क्रूजर, तीन की मौत-नौ घायल

लोकतंत्र की शान ,जयपुर। जयपुर-सीकर नेशनल हाईवे (एनएच-52) पर बुधवार सुबह चौमूं इलाके में स्टेडियम के पास ब्यावरिया कट पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टेम्पो क्रूजर की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए।टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो क्रूजर के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद अनियंत्रित क्रूजर सड़क किनारे बने होटल-रेस्टोरेंट में जा घुसी। इस दौरान होटल के बाहर खड़ी एक कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चौमूं थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि महाराष्ट्र के परभणी जिले से श्रद्धालु टेम्पो क्रूजर में सवार होकर खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे। बुधवार सुबह जयपुर से सीकर की ओर जाते समय हादसा हुआ। आगे चल रहा ट्रक अचानक लेफ्ट साइड में मुड़ा। इसी दौरान पीछे से आ रही टेम्पो क्रूजर ट्रक में जा घुसी। टक्कर के बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे होटल में घुस गई।उन्होंने बताया कि हादसे में शालू बाई (75), मेघा (40) और आदेश (18) निवासी हरंगुल गंगाखेड़ (परभणी, महाराष्ट्र) की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों शवों को चौमूं के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।हादसे में गीता देवधर, गायत्री देवधर, खुशी जावड़े, अंकिता, रितेश, ऋषिकेश, शकुंतला, सुनीता और यशोदा घायल हुए हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और पुलिस के साथ मिलकर घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। बाद में क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त टेम्पो क्रूजर को हटाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाकर यातायात सुचारु करवाया। मामले की जांच जारी है।

अवैध क्लीनिक पर छापा, 50 प्रकार की दवाइयां जब्त, क्लीनिक सील

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः फर्जी चिकित्सकों और झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिये गए निर्देश के पालन में विकासखंड बड़वारा के अंतर्गत ग्राम विलायतकला में "बेस्ट केयर क्लीनिक" नाम से संचालित एक अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया है। सीएमएचओ डॉ राज सिंह ठाकुर ने बताया कि अवैध रूप से संचालित इस क्लीनिक पर जिला स्तरीय टीम ने छापामार कार्रवाई की। टीम में जिला चिकित्सालय के सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ. रीतेश दुबे तथा प्रभारी नर्सिंग होम श्री नितिन तपा शामिल थे। जांच के दौरान पाया गया कि क्लीनिक का संचालन जाकिर हुसैन द्वारा किया जा रहा था। उन्होंने स्वयं को बीएएमएस डिग्रीधारी बताया, लेकिन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। साथ ही, मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में अनिवार्य पंजीयन भी नहीं कराया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि बिना किसी वैध अनुमति के क्लीनिक संचालित किया जा रहा था। परिसर में 5 बिस्तर तथा एलोपैथी दवाइयां मिलीं, जिनसे मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। जबकि बीएएमएस चिकित्सक को केवल आयुर्वेद पद्धति से उपचार की अनुमति होती है, इसके बावजूद एलोपैथी पद्धति से इलाज किया जा रहा था। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए मध्यप्रदेश उपचारगृह तथा रुजोपचार संबंध स्थापना अधिनियम 1973 की धारा 3 एवं 4 के तहत कार्रवाई करते हुए क्लीनिक से 50 प्रकार की दवाइयां जब्त की गईं और क्लीनिक को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार बड़वारा श्री हर्षवर्धन रामटेके, थाना प्रभारी श्री के.के. पटेल तथा क्षेत्रीय पटवारी भी मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह ठाकुर ने बताया कि जिले में अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

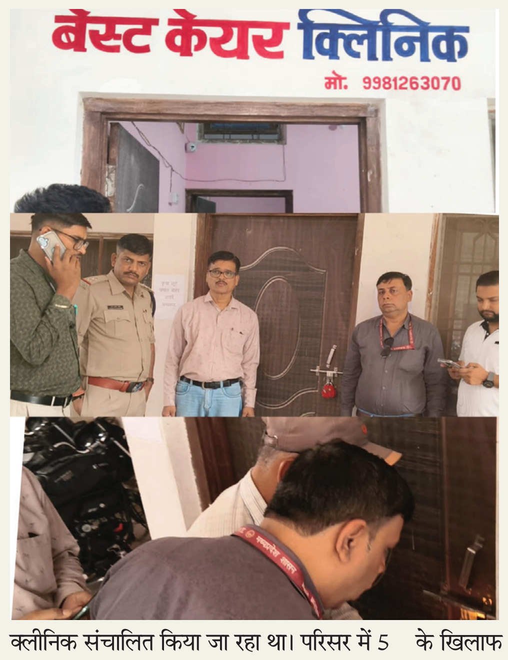

अवैध रेत उत्खनन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, संयुक्त दल ने की जांच

डंपर जब्त, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री विकास मिश्रा के निर्देश पर 26 मई को वन विभाग और खनिज विभाग के संयुक्त दल ने विभिन्न स्थानों पर जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान तहसील चुरहट अंतर्गत ग्राम बलियार में शासकीय भूमि पर अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की पुष्टि हुई। मामले में संबंधित लोगों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं गोपदबनास तहसील के पिपरोहर स्थित सोन नदी घाट पर कार्रवाई करते हुए संयुक्त दल ने एक बिना नंबर का डंपर जब्त किया। चालक मौके से फरार हो गया, जबकि वाहन को कोतवाली थाना सीधी की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। इधर मड़वास क्षेत्र में पूर्व में जब्त किए गए तीन ट्रैक्टरों को छुड़ाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया है। संबंधित आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति योजना में राजमावि जारोड़ा खुर्द के 5 विद्यार्थी चयनित

» सत्र 2025-26 में विद्यालय को मिली बड़ी उपलब्धि
» चयनित विद्यार्थियों को चार वर्षों तक मिलेगी छात्रवृत्ति

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड, एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जारोड़ा खुर्द के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पांच विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति योजना (NMMS) में हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं गांव में खुशी का माहौल है। विद्यालय से चयनित विद्यार्थियों में प्रियंका पुत्री सोहनराम ने 145 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं मोहित पुत्र सुशील ने 143 अंक, धोनी पुत्र गणेशाराम ने 125 अंक, मधु राठौड़ पुत्री शिव सिंह ने 110 अंक तथा कोमल पुत्री श्यामाराम ने 106 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। विद्यालय प्रशासन के अनुसार सत्र 2025-26 में कुल पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ है। वहीं वर्ष 2021 से अब तक विद्यालय से कुल 36 विद्यार्थियों का चयन NMMS योजना में हो चुका है, जो विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शिक्षकों की मेहनत को दर्शाता है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्तर की इस छात्रवृत्ति योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति चार वर्षों तक प्रदान की जाती है, जिससे विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहयोग मिलता है। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही गणित वरिष्ठ अध्यापक राजेंद्र खुडखुडिया को भी विशेष बधाई दी गई, जिनके मार्गदर्शन और मेहनत से विद्यार्थियों ने यह सफलता प्राप्त की।

जंगल की गुफा में मिला महिला का कंकाल

» 15 दिन से लापता गुड़िया बैगा के रूप में हुई पहचान

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत पोड़ी चौकी के कुन्दौर गांव में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब जंगल के बीच स्थित माटी डोंगर पहाड़ की एक गुफा में कंबल में लिपटा हुआ कंकाल पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके से पहुंची पुलिस तो पता चला कि यह कंकाल करीब 15 दिन से लापता चल रही गुड़िया पति बुद्धसेन बैगा का है। घटना सामने आने के बाद पूरे इलाके में दहशत और तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सीधी जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित इस गुफा तक पहुंचना भी आसान नहीं है। ग्रामीणों ने आज दोपहर के समय गुफा के भीतर कंबल में लिपटा शव देखा, जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना मिलते ही पोड़ी चौकी पुलिस और कुसमी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जब कंबल हटाकर देखा तो शव पूरी तरह सड़ चुका था और लगभग कंकाल में तब्दील हो चुका था। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उसकी पहचान गुड़िया बैगा के रूप में की है। स्थानीय ग्रामीण सत्यवान बैगा ने बताया कि गुड़िया करीब 15 दिनों से लापता थी, जबकि उसका पति बुद्धसेन बैगा भी पिछले दो दिनों से गांव में दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पत्नी के गायब होने के बाद भी बुद्धसेन ने न तो उसे तलाशने की कोशिश की और न ही किसी को इसकी जानकारी दी, जिससे अब संदेह और गहरा गया है। घटनास्थल पर थाना प्रभारी कुसमी अरुणा द्विवेदी, चौकी प्रभारी पोड़ी डीके रावत सहित पुलिस टीम मौजूद रही। मृतक महिला की उम्र 30 वर्ष बताई जा रही है।महिला की रहस्यमयी मौत से अब इलाके में तरह तरह की चर्चा शुरू हो गई है।

इनका कहना है। ग्रामीणों द्वारा शव की पहचान गुड़िया बैगा के रूप में की गई है। शव काफी पुराना है और उसे कंबल में लपेटकर गुफा में रखा गया था। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों और पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा। अरुणा द्विवेदी, थाना प्रभारी कुसमी।

ईद उल जुहा (बकरीद) को लेकर कुठला थाना में किया गया शान्ति समिती की बैठक का आयोजन

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा0पु0से0) द्वारा आगामी ईद उल जुहा (बकरीद) को ध्यान में रखते हुए सभी थाना प्रभारियों को शान्ति समिति की बैठक का आयोजन करने हेतु निर्देशित किया गया है । जिनके निर्देश पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में थाना कुठला परिसर में शान्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में तहसीलदार साक्षी शुक्ला एवं प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे । थाना कुठला परिसर में आगामी ईद उल जुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थाना प्रभारी द्वारा उपस्थित सभी लोगों से अपील की गई कि पर्व को आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के साथ मनायें तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना अथवा आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर प्रसारित न करें तथा ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। साथ ही कुर्बानी निर्धारित स्थानों पर ही करने, सार्वजनिक स्थानों पर अवशेष न फैलाने एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की समझाइश दी गई। थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि पर्व के दौरान थाना क्षेत्र एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की विशेष तैनाती रहेगी, लगातार गश्त की जाएगी तथा संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। पुलिस द्वारा सोशल मीडिया मॉनिटरिंग भी की जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा शांति भंग करने वाले तत्वों पर तत्काल कार्यवाही की जा सके" थाना प्रभारी ने जन सहयोग का आह्वान करते हुए नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति में तत्काल 112 डायल कर पुलिस को सूचित करें।

रवि बने मध्यप्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रदेश महासचिव

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सोशल मीडिया बिंग के विस्तार में सीधी जिले को प्रमुख स्थान मिला है। जिले के रविनाथ गोस्वामी को मध्यप्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया का प्रदेश महासचिव बनाया गया। रविनाथ का राजनीतिक सफर अभी तक इस प्रकार रहा है कि वह ब्लाक कांग्रेस कमेटी बरमबाबा का उपाध्यक्ष, आईटी एवं सोशल मिडिया सेल के विधानसभा अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक बारबाबा के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभा चुके है। इनकी नियुक्ति से जिले में खुशी की लहर दिखाई देखी जा रही है। वही जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित सभी शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म पर बधाई संदेश व शुभकामनाएं दी है।

गोपत नदी से अवैध रेत परिवहन पर पुलिस का शिकंजा

» दबिश पड़ते ही चालक वाहन छोड़कर फरार,

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोतरा तिराहा के पास गोपत नदी से अवैध रेत परिवहन का मामला सामने आया है, जहां पुलिस की दबिश पड़ते ही चालक चालू हालत में वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना मंगलवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 110/26 दर्ज करते हुए धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम तथा 77/177 एमवी एक्ट के तहत मामला कायम किया गया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी अज्ञात बताया गया है, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। बताया गया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गोपत नदी क्षेत्र से अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गोतरा तिराहा के पास घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, वाहन चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और वाहन चालू हालत में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। मौके से पुलिस ने पीले रंग का टाटा कंपनी का 612 मॉडल वाहन बरामद किया है, जिस पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी। वाहन में अवैध रूप से रेत परिवहन किए जाने की पुष्टि होने पर पुलिस ने उसे जप्त कर लिया है। मामले में वाहन मालिक और चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी, नंद प्रकाश सिंह, दिनकर द्विवेदी एवं शिवराम वैश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्भीक होकर थाना आए, त्वरित समाधान पाकर वापस जाएं शिकायतों के समाधान को तत्पर पुलिस : केदार परौहा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला पुलिस सीधी द्वारा आयोजित "जन चौपाल – आपकी पुलिस आपके द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत थाना सेमरिया क्षेत्र के काठार स्थित माध्यमिक स्कूल ग्राउंड में सायं 04:00 बजे से जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण, पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा जनता और पुलिस के मध्य विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में थाना प्रभारी सेमरिया केदार परोहा ने उपस्थित ग्रामीणजनों को पुलिस विभाग द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं, महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्यवाही, साइबर अपराधों से बचाव, नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु पुलिस की भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही आमजन से अपील की गई कि वे निर्भीक होकर अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करें।आपकी पुलिस त्वरित निराकरण को तत्पर मिलेगी। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया के डॉक्टर संजय सिंह पटेल द्वारा नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार एवं समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। उक्त जन चौपाल कार्यक्रम में थाना प्रभारी सेमरिया केदार परोहा, सउनि भूपेंद्र सिंह बागरी,प्रधान आरक्षक पंकज सिंह , रामचरण रावत, जीतेंद्र बागरी,आरक्षक मनीष शुक्ला ,अमित तिवारी ,विनीत सिंह बघेल, और ग्राम कठार के सरपंच ,थाना क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी द्विवेदी, महिलाएं, बच्चे अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 300 ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। थाना सेमरिया पुलिस द्वारा आमजन को आश्वस्त किया गया कि "आपकी सुरक्षा – हमारा संकल्प" के तहत पुलिस सदैव जनता के साथ खड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद का कटाक्ष- नेपाली नागरिकों से टैक्स यूरोप जैसा, सुविधाएं सोमालिया जैसी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद दीपक कुमार साह ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सरकार नागरिकों से यूरोप जैसा टैक्स वसूल रही है, लेकिन सुविधाएं सोमालिया जैसी दे रही है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में बुधवार को पूर्व श्रम तथा रोजगार मंत्री रह चुके साह ने कहा कि टैक्स और सुविधाओं के बीच कोई संतुलन नहीं है। साह ने कहा कि जनता की खुशहाली में ही सरकार का हित निहित होता है। उन्होंने सरकार से वार्षिक 5 लाख रुपये तक की आय पर लगाए जा रहे 1 प्रतिशत टैक्स की व्यवस्था में बदलाव करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अभी 5 लाख तक की वार्षिक आय पर 1 प्रतिशत टैक्स लगाने की व्यवस्था है। इसे बढ़ाकर इसी बजट से 10 से 12 लाख रुपये तक किया जाना चाहिए। सांसद साह ने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में महंगाई 38 से 40 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, जबकि वेतन में केवल 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने सरकार से इसी के अनुरूप अन्य नीतियों और व्यवस्थाओं में संतुलन बनाने का आग्रह किया।

श्रीलंका अब 1 जून से नेपाल के पर्यटकों को निःशुल्क वीजा उपलब्ध कराएगा

काठमांडू। श्रीलंका ने नेपाली नागरिकों के लिए अब निःशुल्क पर्यटक वीजा की व्यवस्था लागू कर दी है। नेपाली नागरिकों को अब मुफ्त पर्यटक वीजा (इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन-ईटीए) प्रदान किया जाएगा। श्रीलंका सरकार ने नेपाल सहित दुनिया के 40 देशों के नागरिकों के लिए यह नई सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। काठमांडू स्थित श्रीलंका दूतावास ने जानकारी दी है कि यह व्यवस्था को १ जून से लागू की जा रही है। इस नए प्रावधान के तहत पर्यटन उद्देश्य से श्रीलंका जाने वाले नेपाली नागरिक 30 दिनों के लिए दो बार प्रवेश की अनुमति वाला पर्यटक वीजा पूरी तरह निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। इससे पहले इस वीजा के लिए निर्धारित शुल्क देना पड़ता था। माना जा रहा है कि इस कदम से दोनों देशों के बीच पर्यटन संबंध और मजबूत होंगे। श्रीलंका जाने वाले यात्रियों को वहां रवाना होने से पहले श्रीलंका के इमिग्रेशन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या काठमांडू स्थित श्रीलंकाई दूतावास से संपर्क कर अनिवार्य रूप से ईटीए प्राप्त करना होगा।

नेपाल संसद में सत्ता पक्ष ने एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री की उपस्थिति का आश्वासन दिया

काठमांडू। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह एक सप्ताह के भीतर संसद में उपस्थित होंगे। विपक्षी सांसदों की ओर से लगातार अवरोध किए जाने के बीच सत्ता दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने सदन में बुधवार को यह आश्वासन दिया है। आरएसपी के मुख्य सचेतक कवीन्द्र बुरलाकोटी ने बुधवार को प्रतिनिधि सभा की दूसरी बैठक में कहा कि एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री की उपस्थिति से संसद को सुचारु रूप से चलाने का माहौल बनेगा। विपक्षी दल यूएमएल की उपनेता पद्मा अर्याल ने सत्तापक्ष पर स्पीकर की अध्यक्षता में हुई कार्यव्यवस्था परामर्श समिति की बैठक में सहमति बनने के बावजूद अपना पक्ष प्रस्तुत करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संसद सरकार की प्रशंसा करने का मंच नहीं है और विपक्ष ने सरकार को जवाबदेह बनाने की अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। अन्य विपक्षी सांसदों ने भी प्रधानमंत्री की संसद में उपस्थिति को लेकर स्पीकर से स्पष्ट रूलिंग देने की मांग की। इसके बाद स्पीकर डीपी अर्याल ने सांसदों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति को लेकर आरएसपी की ओर से जानकारी प्राप्त हो चुकी है। स्पीकर की अपील के बाद विपक्षी सांसदों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया और सदन में प्रस्तुत विधेयक पर चर्चा में भाग लिया।

व्यापार समझौते के लिए भारत आएगी अमेरिकी टीम

नई दिल्ली। पारस्परिक और परस्पर लाभकारी व्यापार संबंधित अंतरिम समझौते के लिए मुख्य वार्ताकार के नेतृत्व में अमेरिकी टीम 1 से 4 जून तक भारत दौरे पर आएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और बाजार पहुंच, गैर-टैरिफ उपाय, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा संरेखण जैसे कई क्षेत्रों पर व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त वक्तव्य जारी कर पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की थी। इस ढांचे ने व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। मंत्रालय के अनुसार इसी क्रम में भारतीय पक्ष ने 20 से 23 अप्रैल तक वाशिंगटन डी.सी. का दौरा किया और अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ आमने-सामने बैठकें कीं।

पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का निधन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय निशानेबाज और ओलंपियन रणधीर सिंह का बुधवार सुबह नई दिल्ली में 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर निशानेबाजी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित रणधीर सिंह भारतीय और एशियाई खेल प्रशासन में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। वह 1987 से 2012 तक भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव रहे। इसके अलावा 2001 से 2014 तक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य भी रहे और बाद में उन्हें मानद सदस्य बनाया गया। सितंबर 2024 में रणधीर सिंह ने इतिहास रचते हुए एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया था। नई दिल्ली में आयोजित 44वीं महासभा में उन्हें 2028 तक चार वर्ष के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि खराब स्वास्थ्य के कारण उनका कार्यकाल इस वर्ष समय से पहले समाप्त हो गया। पंजाब के पटियाला से ताल्लुक रखने वाले रणधीर सिंह खेल परिवार से आते थे। वह पांच बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले निशानेबाज रहे। उन्होंने 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में पहला एशियाई खेल स्वर्ण दिलाया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने बयान जारी कर कहा, "गहरे दुख के साथ हम यह सूचना साझा कर रहे हैं कि राजा रणधीर सिंह का 27 मई 2026 को निधन हो गया। वह महान ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता और भारत, एशिया तथा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक आंदोलन के सबसे सम्मानित खेल प्रशासकों में से एक थे।" उन्होंने आगे कहा, "निशानेबाजी खेल और ओलंपिक आंदोलन के विकास में उनका योगदान अमूल्य रहा है।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। अधिवक्ता रिंकी चटर्जी द्वारा मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025 में कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने कथित रूप से हिंदुत्व और हिंदू समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके अलावा, 2026 विधानसभा चुनाव से पहले एक धरना मंच से भी हिंदुओं के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने पहले प्रधान नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने शिकायत लेने से इनकार कर दिया। आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अब तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर तलाशी

ईडी अधिकारियों के काफिले पर समर्थकों का हमला, तोड़फोड़

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल)-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन और धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद बुधवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में जबरदस्त राजनीतिक तनाव और हिंसक प्रदर्शन देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास पर कई घंटों तक चली तलाशी के बाद जब ईडी अधिकारियों की टीम परिसर से बाहर निकली, तब वहां मौजूद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) कार्यकर्ताओं की भीड़ उग्र हो गई और अधिकारियों के काफिले पर हमला कर दिया। केरल पुलिस ने लगभग 100 पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तलाशी अभियान खत्म होने के बाद जैसे ही ईडी अधिकारी सरकारी वाहनों की ओर बढ़े, प्रदर्शनकारी केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। तनावपूर्ण माहौल के बीच भीड़ ने आक्रामक रूप धारण कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ईडी अधिकारियों को ले जा रही गाड़ियों पर पत्थर और लाठियों से हमला बोल दिया। इससे गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। घटनास्थल पर मौजूद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और केरल पुलिस के जवानों को हालात संभालने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। सुरक्षा बलों ने ईडी अधिकारियों को सुरक्षा घेरे में लेकर बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उग्र भीड़ लगातार काफिले को रोकने की कोशिश करती रही। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख स्थानीय पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया और ईडी अधिकारियों के वाहनों को सुरक्षित रवाना कराया गया।

दरअसल, ईडी की यह कार्रवाई आज सुबह तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन के पास स्थित पिनाराई विजयन के किराए के आवास पर शुरू हुई। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया था, जबकि ईडी अधिकारी अंदर दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्यों की गहन जांच कर रहे थे। तलाशी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में सीपीआई-एम कार्यकर्ता और समर्थक मौके पर पहुंचने लगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता वी. शिवनकुट्टी और कडकमपल्ली सुरेंद्रन भी घटनास्थल पर पहुंचे और ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी

एजेंसी, जींद

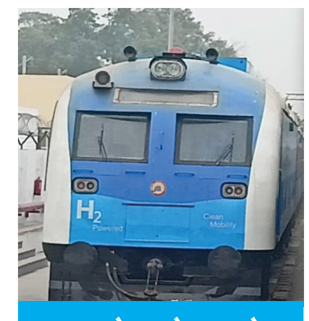

♦ हाइड्रोजन ट्रेन चलने की हरी झंडी मिलने पर जींद के लोगों में खुशी की लहर

रेलवे बोर्ड ने भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को मंजूरी दे दी है। यह 10 कोच वाली डेमू ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी।रेलवे मंत्रालय ने उत्तरी रेलवे क्षेत्र के तहत इस ट्रेन को मंजूरी दी है। ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करेगी और इसका कुल बिजली उत्पादन 1,200 किलोवाट होगा। ट्रेन वितरित पावर रोलिंग स्टॉक (DPRS) तकनीक पर काम करेगी। रेल अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की मंजूरी रिसर्च डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) की तकनीकी स्वीकृति के बाद मिली। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) ने भी पिछले दिनों जींद जंक्शन पहुंच कर सुरक्षा परीक्षण किया था। अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी का मतलब तुरंत संचालन शुरू होना नही है। कई अनुपालन प्रक्रियाएं और सत्यापन चरण अभी पूरे होने बाकी हैं। उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक को सभी अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होंगी। ये रिपोर्ट आरडीएसओए सीसीआरएस और पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) जैसे अन्य वैधानिक प्राधिकरणों से संबंधित होंगी। भारतीय रेलवे द्वारा देश की पहली हाइड्रोजन डेमो ट्रेन को आधिकारिक मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को जिला जींद में उत्सव और खुशी का माहौल रहा। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन न केवल देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बुधवार को नगर परिषद जींद की अध्यक्ष डा. अनुराधा सैनी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने ओडिशा से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को गिरफ्तार किया

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और डायमंड हार्बर पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण 24 परगना के विष्णुपुर से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें कोलकाता लाया जाएगा।मंडल का हाल में एक वीडियो वायरल हुआ था। आरोप है वीडियो में उन्होंने विपक्षी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी दी थी। हालांकि, वीडियो की सत्यता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इसी मामले को लेकर उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और 14 मई को पैलान स्थित उनके घर पर छापा मारा। वह घर पर नहीं मिले। बताया गया है कि दो दिन पहले एसटीएफ को सूचना मिली कि दिलीप मंडल पुरी के 'ब्लू लिली' होटल में ठहरे हैं। इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ और डायमंड हार्बर पुलिस ने होटल में छापा मारा। रजिस्टर की जांच के बाद पुलिस ने उनके कमरे में पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में पुलिस पहले ही विधायक के बेटे अर्घ्य मंडल को गिरफ्तार कर चुकी है। उन पर इलाके में अशांति फैलाने का आरोप है। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से आग्नेयास्त्र बरामद होने का भी दावा किया गया था। इसी मामले में चार अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। शिकायत दर्ज होने के बाद दिलीप मंडल ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

ट्विशा शर्मा मौत मामला: रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के घर पहुंची सीबीआई, की पूछताछ

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद सीबीआई की टीम मंगलवार को ट्विशा की सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह के घर पहुंची और उनसे पूछताछ की। दिल्ली से आई टीम सीबीआई ने मामले की जांच तेज करते हुए मंगलवार को कई अहम लोगों के बयान दर्ज किए। दोपहर में सीबीआई टीम ने गिरिबाला सिंह के घर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीबीआई अधिकारियों ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह से शादी के बाद हुए विवाद, ट्विशा और उसके मायके पक्ष के साथ संबंधों और पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ कर उनका बयान लिया। इसके बाद टीम तीन ईएमई सेंटर पहुंची, जहां ट्विशा के परिजनों से मामले से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। वहीं, सीबीआई की दूसरी टीम पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के कार्यालय पहुंची और उनसे मुलाकात कर केस की विस्तृत जानकारी मांगी।

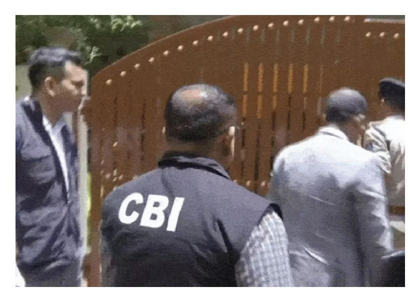

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एसआईटी से मामले की केस डायरी भी तलब की। प्रारंभिक जांच में डायरी अधूरी पाए जाने पर सीबीआई ने उसे पूरा कर सौंपने के निर्देश दिए हैं। देर रात एसआईटी ने आवश्यक जानकारी जोड़कर पूरी केस डायरी सीबीआई को सौंप दी। मामले में सीबीआई की कार्रवाई के बाद जांच में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि सीबीआई की टीम सोमवार की रात भोपाल पहुंची थी। केन्द्रीय जांच एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस जांच में 20 लाख रुपये अतिरिक्त मांगने की बात सामने आई थी। इसी आधार पर सीबीआई ने दहेज मृत्यु का मामला दर्ज किया है। इधर, ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर मंगलवार को भोपाल के जिला न्यायालय में दायर अलग-अलग आवेदनों पर सुनवाई हुई। इस दौरान ट्विशा के परिवार की ओर से दायर सीडीआर सुरक्षित रखने की अर्जी पर एसआईटी ने अपना जवाब कोर्ट में पेश किया। न्यायमूर्ति आकांक्षा कुमार की अदालत में एसआईटी ने बताया कि 12 से 20 मई तक की पूरी सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए संबंधित सिम कंपनियों को पत्र भेज दिए गए हैं। कंपनियों से जानकारी मिलते ही उसे केस डायरी का हिस्सा बनाकर अदालत में पेश किया जाएगा। उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी।

पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी मल्टीरोल लड़ाकू एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट से बाहर हुआ एचएएल

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ रक्षा मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की तीन कंपनियों को भेजा 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल'

आखिरकार भारत में बनने वाले पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के निर्माण से हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को शॉर्टलिस्ट की गईं तीन कंपनियों को 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' भेज दिया है। परियोजना के तहत लगभग 15 हजार करोड़ की लागत से 5 प्रोटोटाइप विकसित किए जाएंगे। यह ट्विन-इंजन वाला रडार की पकड़ से दूर रहने वाला लड़ाकू विमान होगा जो सुपर-क्रूज क्षमता के साथ अत्याधुनिक सेंसर से लैस होगा।

निजी क्षेत्र की भागीदारी में पहली बार रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर प्रोटोटाइप बनाए जाएंगे। इसीलिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो-भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत फोर्ज-बीईएमएल को टेंडर भेजा गया है। विमान के विकास और उड़ान परीक्षणों के लिए आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में लगभग 2,000 करोड़ की लागत से एक कोर इंटीग्रेशन और फ्लाइट टेस्टिंग सेंटर स्थापित किया जा रहा है। पहले प्रोटोटाइप के रोल-आउट की योजना 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में है, जिसके बाद 2028 तक पहली उड़ान और 2034-2035 तक इसे भारतीय वायुसेना में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। डीआरडीओ के मुताबिक एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) सिंगल-सीट और ट्विन-इंजन वाला विमान होगा, जिसे भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के लिए तैयार किया जा रहा है। पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ, मल्टीरोल, एयर सुपीरियॉरिटी फाइटर में छठी पीढ़ी की आला प्रौद्योगिकियां भी शामिल होंगी। विमान के डिजाइन वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) ने तैयार की है, जो डीआरडीओ के तहत गठित विमानन डिजाइन और विकास एजेंसी है। एएमसीए का मार्क-1 संस्करण 5.5 पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों से लैस होगा और मार्क-2 में छठी पीढ़ी का प्रौद्योगिकी उन्नयन होगा। पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट हवाई श्रेष्ठता, जमीनी हमला, बमबारी, अवरोधन के अलावा अन्य प्रकार की भूमिकाएं निभाएगा। यह सुपरक्रूज, स्टील्थ, उन्नत एईएसए राडार, सुपर मूनवेबिलिटी, डेटा फ्यूजन और उन्नत एविओनिक्स को कई जमीन और समुद्री बचाव के साथ पिछली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को मात देने में सक्षम होगा।

एसआईआर पर भाजपा ने कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण की नसीहत दी

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को पूरी तरह वैध करार देने के फैसले का भारतीय जनता पार्टी ने स्वागत करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को मेहनत करने के साथ-साथ आत्मनिरीक्षण की भी जरूरत है। यह संवैधानिक धरातल पर विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज एसआईआर प्रक्रिया को पूर्णतः संविधान सम्मत सिद्ध कर दिया है। राजनीतिक पराजय के बाद और देश में अराजकता-अव्यवस्था उत्पन्न करने की नैतिक पराजय के बाद, अब संवैधानिक धरातल पर भी यह विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। कहा कि लोकतंत्र की समस्त संस्थाओं को अपनी राजनीतिक अक्षमता को ढंकने के लिए आरोपित करने और लांछित करने के सभी कुप्रयास आज सर्वोच्च न्यायालय के धरातल पर निष्फल सिद्ध हुए। एसआईआर प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान सम्मत माना है और चुनाव आयोग के अधिकार के अंतर्गत माना है।

न्यायलय ने इसे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक माना है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को पूरी तरह वैध करार दिया। न्यायालय के फैसले के बाद अब देश के 19 राज्यों में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा का रास्ता साफ हो गया है।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के पांच कैडर गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर पुलिस ने पिछले दो दिनों में पूरे मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों से जुड़े कई कथित भूमिगत सदस्यों को गिरफ़्तार किया है। साथ ही, पहाड़ी जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान हथियार, विस्फोटक और संचार उपकरण भी बरामद किए गए हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय सदस्य, जिसकी पहचान इंफाल पूर्वी जिले के निंगोमथोंग सैरोम लीराक निवासी थिंगुजम गुलापी सिंह (45) के रूप में हुई है, को 26 मई को इंफाल पश्चिमी जिले के सिंगजामेई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत काकवा लिलांडो लंपक से गिरफ़्तार किया गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक स्कूटर जब्त किया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने पीएलए के एक कथित सक्रिय सदस्य, वाइखोम शांता सिंह उर्फ़ टोरबोट (32) को भी गिरफ़्तार किया। वह सबुंगखोक मामंग लीकाई का निवासी है और उसे इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नोंगदा कामेंग क्षेत्र से गिरफ़्तार किया गया। एक अन्य अभियान में, आरपीएफ/पीएलए के कथित स्वयंभू कैप्टन अयेकपम धर्मेंद्र सिंह (48) को इरिलबुंग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उसके मौजूदा आवास से पकड़ा गया। वह कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जिनमें धामेन, थावंतबा, कुंजो, ब्रोजेन और थावैलाकपा शामिल हैं। उसके पास से एक मोबाइल फ़ोन और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने थौबल ज़िले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत फ़ॉरेस्ट गेट के पास मयाई कीथेल से अलग-अलग भूमिगत संगठनों से जुड़े दो कथित सदस्यों को

भीषण गर्मी में नितिन व राहुल के दौरों से उत्तराखंड में बढ़ेगा सियासी तापमान

एजेंसी, नई दिल्ली

देहरादून। देश के दूसरे हिस्सों की तरह उत्तराखंड में भी आसमान से आग बरस रही है। राज्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दौरों से प्रदेश का राजनीतिक तापमान भी बढ़ने वाला है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास 28 मई से शुरू होगा। इसके बाद 4 व 5 जून को राहुल गांधी राज्य में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उत्तराखंड में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में विभिन्न राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में लगी हैं। राज्य में दिग्गजों के दौरों से एक बात साबित होने जा रही है। देवभूमि का वर्ष 2027 का चुनावी संग्राम रोचक होने वाला है।

उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य को भी भाजपा ने अपनी शीर्ष प्राथमिकता में रखा है। मोदी-शाह के दौर में यह बात कई बार साबित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 12 वर्ष के कार्यकाल में जितनी बार उत्तराखंड आए हैं, उतनी बार कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। इसके अलावा, भाजपा के शीर्ष नेता उत्तराखंड में लगातार प्रवास करते रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को अभी कार्यभार संभाले ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने उत्तराखंड का कार्यक्रम लगाने में जरा सी भी देरी नहीं की है।

अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास के कार्यक्रम से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा है। भव्य स्वागत की तैयारी है, हालांकि मितव्ययिता का संदेश देने का दबाव भी पार्टी पर है। इसके बावजूद, भाजपा अपने इस बड़े कार्यक्रम के माध्यम से चुनाव को लेकर बड़ा संदेश देने की तैयारी में है। नितिन नवीन तीन दिन उत्तराखंड रहकर लगभग हर वर्ग को छूने का प्रयास करेंगे। पार्टी की तैयारियों की थाह लेंगे और कमजोर नब्ज दबाकर उसे दुरूस्त करने की कोशिश भी करेंगे।

राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस भी अपनी रणनीति बनाने में लगी है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इस बार भी चुनावी तैयारियों को लेकर भाजपा से काफी पीछे है। भले ही राष्ट्रीय नेताओं का बहुत ज्यादा उत्तराखंड आना-जाना नहीं हो पा रहा हो, लेकिन उसके स्थानीय नेता सक्रियता बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा भी तय हो गया। राहुल गांधी 4 व 5 जून को उत्तराखंड में रहेंगे। राहुल गांधी के इस दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा वर्गों तक पहुंचने की कोशिश में है। इसलिए 4 जून को उनका एक कार्यक्रम कुमाऊं के अल्मोड़ा में है, तो दूसरा गढ़वाल के मंडल मुख्यालय पौड़ी में है।

अब्राहम अकॉर्ड्स:बदलती वैश्विक राजनीति का दर्पण- ट्रम्प बनाम मौजतबा खामनेई और बदलती मिडिल ईस्ट जियोपॉलिटिक्स -पश्चिम एशिया में नई ध्रुवीय राजनीति का उदय ?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक शांति समझौता नहीं, बल्कि 21वीं सदी की नई जियोपॉलिटिकल व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है।

» अब्राहम अकॉर्ड्स में संभावतः तेल,व्यापार मार्ग, सैन्य प्रभाव हथियारों का बाजार,चीन- रूस की बढ़ती मौजूदगी और वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई भी छिपी हुई है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां कूटनीति, धर्म, सुरक्षा, ऊर्जा और वैश्विक शक्ति संतुलन एक-दूसरे से टकराते हुए नजर आ रहे हैं।इसी बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के केंद्र में है अब्राहम अकॉर्ड्स एक ऐसा समझौता जिसे अमेरिका ने इजरायल और अरब देशों के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी खत्म करने के लिए तैयार कराया। अमेरिका और इजरायल इसे शांति, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हैं, जबकि ईरान और उसके समर्थक इसे मुस्लिम दुनिया को विभाजित करने और फिलिस्तीनी मुद्दे को कमजोर करने की रणनीति मानते हैं। यही कारण है कि आज डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के नए सुप्रीम लीडर मौजतबा खामनेई के बीच वैचारिक और रणनीतिक टकराव खुलकर सामने आ रहा है। एक ओर ट्रम्प मुस्लिम देशों को इजरायल के साथ जोड़कर एक नए पश्चिम एशियाई सुरक्षा गठबंधन का निर्माण करना चाहते हैं,तो दूसरी ओर मौजतबा खामनेईअमेरिका और इजरायल के खिलाफ इस्लामी एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पूरे संघर्ष के पीछे केवल धर्म या विचारधारा नहीं,बल्कि तेल, व्यापार मार्ग,सैन्य प्रभाव, हथियारों का बाजार, चीन- रूस की बढ़ती मौजूदगी और वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई भी छिपी हुई है। इसलिए अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक शांति समझौता नहीं, बल्कि 21वीं सदी की नई जियोपॉलिटिकल व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। साथियों, बात अगर हम अब्राहम अकॉर्ड्स को समझने की करें तो, यह वास्तव में संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में 2020 में शुरू हुई द्विपक्षीय समझौतों की एक श्रृंखला है,जिसका उद्देश्य इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक संबंधों को सामान्य बनाना था। 15 सितंबर 2020 को वाशिंगटन में संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इजरायल के साथ औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद दिसंबर 2020 में मोरक्को इस प्रक्रिया में शामिल हुआ और सूडान ने भी सामान्यीकरण पर सहमति व्यक्त की, हालांकि वहां की राजनीतिक अस्थिरता के कारण प्रक्रिया धीमी पड़ गई। बाद में नवंबर 2025 में कजाकिस्तान ने भी औपचारिक रूप से इस समूह में शामिल होने की घोषणा की। यह पूरी प्रक्रिया इसलिए ऐतिहासिक मानी गई क्योंकि 1994 में जॉर्डन और 1979 में मिस्र के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर अरब देशों ने इजरायल के साथ खुले संबंध स्थापित किए।अब्राहम नाम यहूदी, ईसाई और इस्लाम तीनों अब्राहमिक धर्मों की साझा सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों को ध्यान में रखकर चुना गया, ताकि इसे धार्मिक टकराव के बजाय साझा विरासत के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। साथियों,अमेरिका और इजरायल को इस समझौते की आवश्यकता कई कारणों से महसूस हुई। सबसे बड़ा कारण था ईरान का बढ़ता प्रभाव। पिछले दो दशकों में ईरान ने इराक, सीरिया, लेबनान, यमन और गाजा तक अपने प्रभाव का विस्तार किया। हिजबुल्लाह, हमास और हूती जैसे संगठनों के जरिए तेहरान पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल की रणनीतिक चुनौतियां बढ़ा रहा था। अमेरिका समझता था कि यदि अरब देशों और इजरायल को एक साझा सुरक्षा ढांचे में नहीं जोड़ा गया, तो ईरान धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में प्रभावशाली शक्ति बन सकता है। इसलिए अब्राहम अकॉर्ड्स को एक प्रकार के एंटी-ईरान सुरक्षा गठबंधन के रूप में भी देखा गया। इजरायल के लिए यह समझौता इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे उसे अरब दुनिया में वैधता मिली और उसकी क्षेत्रीय अलग-थलग स्थिति कमजोर हुई। दूसरी तरफ अमेरिका के लिए यह समझौता पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ बनाए रखने का साधन था, खासकर उस समय जब चीन और रूस धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी

आर्थिक और सामरिक उपस्थिति बढ़ा रहे थे। साथियों, इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी बेहद महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बीच समझौते के बाद व्यापार, तकनीक, रक्षा, साइबर सुरक्षा, कृषि, पर्यटन और निवेश में तेज़ी से वृद्धि हुई। इजरायल की हाई-टेक क्षमता और खाड़ी देशों की पूंजी ने मिलकर नए आर्थिक अवसर पैदा किए। खाड़ी देशों को इजरायल की जल प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर टेक्नोलॉजी और रक्षा तकनीक तक पहुंच मिली, जबकि इजरायल को अरब बाजारों और निवेश का लाभ प्राप्त हुआ। अमेरिका ने भी इसे अपने आर्थिक हितों से जोड़ा क्योंकि इससे अमेरिकी हथियार उद्योग, ऊर्जा कंपनियों और तकनीकी निवेशकों को नए अवसर मिलने लगे। इस दृष्टि से देखें तो अब्राहम अकॉर्ड्स केवल राजनीतिक समझौता नहीं, बल्कि एक विशाल आर्थिक- सुरक्षा नेटवर्क का हिस्सा है।हालांकि, इस समझौते के आलोचक इसे फिलिस्तीनी मुद्दे के साथ विश्वासघात मानते हैं। दशकों तक अरब देशों कीआधिकारिक नीति यह रही थी कि जब तक फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक इजरायल के साथ पूर्ण संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे। 2002 की अरब शांति पहल भी इसी सिद्धांत पर आधारित थी। लेकिन अब्राहम अकॉर्ड्स ने इस नीति को बदल दिया। यूएई, बहरीन और मोरक्को ने फिलिस्तीन विवाद का समाधान हुए बिना ही इजरायल के साथ संबंध सामान्य कर लिए। इससे फिलिस्तीनियों में यह भावना पैदा हुई कि अरब दुनिया ने उनके संघर्ष को पीछे छोड़ दिया है। यही कारण है कि ईरान, तुर्की, कतर और कई इस्लामी संगठन इस समझौते की आलोचना करते रहे हैं। साथियों, ईरान का विरोध केवल वैचारिक नहीं बल्कि सामरिक भी है। तेहरान को डर है कि यदि सऊदी अरब जैसे बड़े मुस्लिम देश भी इस समझौते में शामिल हो गए, तो पश्चिम एशिया में एक ऐसा संयुक्त मोर्चा बन जाएगा जिसमें अमेरिका, इजरायल और खाड़ी देश एक साथ खड़े होंगे। इससे ईरान की रणनीतिक घेराबंदी हो सकती है। यही कारण है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मौजतबा खामनेई लगातार मुस्लिम देशों से अमेरिका और इजरायल के खिलाफ एकजुट होने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने हाल के भाषणों में दावा किया कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकाने अब सुरक्षित नहीं हैं और अमेरिका का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। यह बयान केवल राजनीतिक संदेश नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी है। ईरान यह दिखाना चाहता है कि वह अभी भी क्षेत्रीय प्रतिरोध धुरी का सबसे बड़ा केंद्र है।दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प अब्राहम अकॉर्ड्स को अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनते हैं। ट्रम्प प्रशासन की रणनीति यह रही कि अरब देशों और इजरायल के बीच संबंध सामान्य कराकर अमेरिका एक नया पश्चिम एशियाई ब्लॉक तैयार करे, जो ईरान और चीन दोनों के प्रभाव को सीमित कर सके। ट्रम्प चाहते थे कि सऊदी अरब, पाकिस्तान, कतर और तुर्की जैसे प्रभावशाली मुस्लिम देश भी इस समझौते में शामिल हों। लेकिन यहां उन्हें कठिन विरोध का सामना करना पड़ा। सऊदी अरब ने साफ कहा कि फिलिस्तीन के लिए एक अपरिवर्तनीय और विश्वसनीय रास्ते के बिना वह इजरायल के साथ पूर्ण संबंध सामान्य नहीं करेगा। साथियों 27 मई 2026 को पाकिस्तान ने भी वैचारिक आधार पर इससे इनकार कर दिया। पाकिस्तान के नेताओं ने कहा कि उनका देश फिलिस्तीनी मुद्दे से समझौता नहीं कर सकता। तुर्की और ईरान ने भी इसे मुस्लिम दुनियाँ को बांटने की अमेरिकी रणनीति बताया। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या जो देश अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल नहीं होंगे, वे अमेरिकी प्रतिबंधों का शिकार बन सकते हैं? प्रत्यक्ष रूप से ऐसा कहना कठिन है, क्योंकि अमेरिका ने किसी देश को केवल समझौते से बाहर रहने के कारण प्रतिबंधित नहीं किया है। लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका अपनी विदेश नीति में आर्थिक और सामरिक दबाव का इस्तेमाल करता रहा है। ईरान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। पाकिस्तान पर भी समय- समय पर अमेरिकी दबाव दिखाई देता रहा है। हालांकि सऊदी अरब जैसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देशों पर सीधे प्रतिबंध लगाना अमेरिका के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि इससे वैश्विक तेल बाजार और अमेरिकी हित दोनों प्रभावित हो सकते हैं। फिर भी यह संभावना बनी रहती है कि जो देश अमेरिकी रणनीतिक ढांचे से बाहर रहेंगे, उन्हें रक्षा सहयोग, निवेश या कूटनीतिक समर्थन के मामलों में नुकसान सटीकता से झेलना पड़ सकता है। साथियों,अब्राहम अकॉर्ड्स के समर्थकों का मानना है कि यह समझौता पश्चिम एशिया को युद्ध और कट्टरता से निकालकर आर्थिक सहयोग और विकास की ओर ले जा सकता है। उनका तर्क है कि यदि अरब और इजरायल आर्थिक रूप से एक-दूसरे पर निर्भर होंगे, तो संघर्ष की संभावना कम होगी। लेकिन आलोचक कहते हैं कि जब तक फिलिस्तीनी प्रश्न का न्यायपूर्ण समाधान नहीं होगा, तब तक कोई भी शांति स्थायी नहीं हो सकती। गाजा युद्ध और लगातार बढ़ते तनाव ने इस तर्क को और मजबूत किया है कि केवल आर्थिक समझौते क्षेत्रीय स्थिरता की गारंटी नहीं दे सकते।आज पश्चिम एशिया दो बड़े वैचारिक और रणनीतिक ध्रुवों में बंटता दिखाई दे रहा है। एक ध्रुव अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी अरब देशों का है, जो सुरक्षा, तकनीक और आर्थिक साझेदारी के जरिए नया क्षेत्रीय ढांचा तैयार करना चाहते हैं। दूसरा ध्रुव ईरान और उसके समर्थक समूहों का है, जो इसे अमेरिकी वर्चस्व और इजरायली विस्तारवाद के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई मानते हैं। इस संघर्ष में चीन और रूस भी धीरे-धीरे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चीन खाड़ी देशों और ईरान दोनों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है, जबकि रूस सीरिया और ईरान के माध्यम से क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगेक्रि अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक राजनयिक दस्तावेज नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति का दर्पण बन चुका है। यह समझौता एक तरफ पश्चिम एशिया में नए आर्थिक अवसर और रणनीतिक गठबंधन पैदा कर रहा है, तो दूसरी तरफ नए वैचारिक विभाजन और भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ा रहा है। ट्रम्प और मौजतबा खामनेई के बीच उभरता खुला टकराव इसी व्यापक संघर्ष का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में यह तय करेगा कि पश्चिम एशिया सहयोग और आर्थिक एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ेगा या फिर वैचारिक ध्रुवीकरण और सैन्य प्रतिस्पर्धा के नए दौर में प्रवेश करेगा।

संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

लेखक- योगेश कुमार गोयल

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है। मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए। यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है। आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं।

क्या 'कॉकरोच' सरकार की दोषपूर्ण नीतियों पर डंक मारेगा?

लेखकः- रमेश कृष्णराव लांजेवार

'कॉकरोच' का यह तूफ़ान अब थमने वाला नहीं है! यह सच है कि देश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है; फिर भी, बेरोज़गारी, कुपोषण, भूखमरी, किसानों की आत्महत्याएँ, बेरोज़गारों की दुर्दशा और भ्रष्टाचार चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो या अन्य क्षेत्रों में जैसी गंभीर समस्याएँ आज भी देश में गहरी जड़ें जमाए हुए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि बेतहाशा भ्रष्टाचार ने देश को अंदर से खोखला कर दिया है। बढ़ती बेरोज़गारी और आसमान छूती महँगाई के बीच, देश के बेरोज़गार युवा पिस रहे हैं; और अब, बेरोज़गारों की तुलना 'कॉकरोच' से करके, मुख्य न्यायाधीश ने उनके ज़ख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। परिणामस्वरूप, इस घटना की गूँज पूरे देश में और यहाँ तक कि देश की सीमाओं के पार भी सुनाई दे रही है। आज देश के युवा बढ़ती बेरोज़गारी से त्रस्त हैं; स्थिति को और भी बदतर बनाते हुए, महँगाई ने इस संकट को और गहरा कर दिया है, जिससे न केवल युवा, बल्कि 140 करोड नागरिकों की पूरी आबादी एक गहरी दुविधा में फँस गई है। अपने स्वार्थ से प्रेरित होकर, सरकार ने कई मुफ्त योजनाएँ लागू की हैं, जिससे आम आदमी पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है और देश की अर्थव्यवस्था अराजकता की ओर धकेल दी गई है। परिणामस्वरूप, देश का किसान समुदाय, बेरोज़गार युवा और आम जनता भारी कष्ट उठा रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार द्वारा प्रायोजित इन मुफ्त योजनाओं का पूरा बोझ जो महँगाई के रूप में सामने आता है अंततः देश के गरीब और सीधे-सादे नागरिकों को ही उठाना पड़ता है। हाल ही में हुई एक सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने देश के बेरोज़गार युवाओं को "कॉकरोच" कहकर संबोधित किया। उन्होंने टिप्पणी की कुछ बेरोज़गार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं; वे बाद में मीडियाकर्मी, सोशल मीडिया कार्यकर्ता या आरटीआय कार्यकर्ता बन जाते हैं, और इन मंचों का उपयोग करके व्यवस्था पर हमले करते हैं। इस बयान ने न केवल देश के भीतर, बल्कि पूरी दुनिया में भारी हंगामा खड़ा कर दिया जिसे सोशल मीडिया के माध्यम से और भी ज़्यादा हवा मिली। अंततः, मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनके बयान की गलत व्याख्या की गई थी। हालाँकि हम इस दृष्टिकोण की सराहना कर सकते हैं या यह स्वीकार कर सकते हैं कि यह वास्तव में सच हो सकता है लेकिन इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि "कॉकरोच" शब्द ने देश के बेरोज़गार युवाओं के पूरे समुदाय को एक गहरा ज़ख्म दिया है एक ऐसा ज़ख्म जिसे भरना शायद असंभव साबित हो। हमें बस हाल ही में हुए नीट पेपर लीक घोटाले को देखने की ज़रूरत है, जिसका सबसे ज़्यादा खामियाज़ा 25,000 युवाओं को भुगतना पड़ा है; उनकी मानसिक स्थिरता पूरी तरह से टूट गई है, और रिपोर्टों से पता चलता है कि इस घटना से निराश होकर अभितक चार से पाँच युवाओं ने तो आत्महत्या भी कर ली है। इसका मतलब यह है कि शिक्षा व्यवस्था को युवाओं की आँखों के सामने ही खुलेआम बर्बाद किया जा रहा है; इसी तरह, शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और शोषण बिना किसी रोक-टोक के जारी है। जहाँ एक तरफ सरकार मीडिया चैनलों के ज़रिए यह दावा करती है कि पूरे देश में करोड़ों के प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं, वहीं दूसरी तरफ बेरोज़गारों के लिए रोज़गार के असली अवसर अभी भी दूर की कौड़ी बने हुए हैं। आज, अपने ही ज़िलों और शहरों में रोज़गार के अवसरों की कमी के चलते, पूरे देश के युवा अपने परिवारों को पीछे छोड़कर काम की तलाश में मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। फिर भी, देश के कई राज्यों में सरकार स्थानीय स्तर पर रोज़गार के उतने अवसर पैदा करने में नाकाम रही है, जितनी कि मांग है। सच तो यह है कि यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है। नतीजतन, युवाओं का एक तबका पुणे, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे मशहूर शहरी केंद्रों की ओर भागता हुआ दिखाई देता है। अगर उन्हें ऐसी जगहों पर रोज़गार मिल जाता है तो यह उनकी खुशकिस्मती है, लेकिन हमने ऐसे मामले भी देखे हैं जहाँ निराशा से घिरकर वे आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। ऐसे हालात में, अगर कोई उच्च-पदस्थ सरकारी अधिकारी बेरोज़गारों की तुलना "कॉकरोच" से करता है, तो इसे आज़ाद भारत के लिए एक दुर्भाग्य ही माना जाना चाहिए। 15 मई, 2026 को, सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई की अध्यक्षता करते हुए, जस्टिस सूर्यकांत ने बेरोज़गार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की। 'सीनियर एडवोकेट' का दर्जा दिए जाने की मांग वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान, उन्होंने टिप्पणी की, "कुछ बेरोज़गार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं; वे बाद में मीडियाकर्मी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर या आरटीआय कार्यकर्ता बन जाते हैं, और व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।" इसी बयान ने पूरे देश में भारी हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद हुई प्रतिक्रियाओं के बीच, जस्टिस ने बाद में एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी आम भारतीय युवाओं के लिए नहीं थी, बल्कि एक खास तरह के तत्वों के लिए थी ऐसे लोग जिनके पास नकली डिग्रियाँ हैं और जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए बेवजह व्यवस्था को निशाना बनाते हैं। भले ही यह स्पष्टीकरण सही और संभवतः सच हो, फिर भी "कॉकरोच" शब्द के विशेष चयन ने युवाओं के बीच एक जागृति की भावना पैदा कर दी है; यदि "कॉकरोचों का यह झुंड" यानी युवा एकजुट हो जाए, तो सरकार का मनमाना आचरण और भ्रष्टाचार निश्चित रूप से समाप्त हो जाएगा। आज, पूरे देश में हर बेरोजगार युवा के मन में राजनीतिक नेताओं के प्रति असंतोष की एक स्पष्ट भावना दिखाई देती है; वर्तमान और पूर्व निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा वेतन, भत्ते, पेंशन, आलीशान वाहन, बंगले और चल-अचल संपत्ती दोनों तरह की करोड़ों रुपये की संपत्तियां शामिल हैं—जमा करने की कड़वी सच्चाई, उनके दिलों में एक निरंतर और गहरा घाव बनी हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये निर्वाचित प्रतिनिधि, मात्र पाँच साल के कार्यकाल के भीतर ही, अनिवार्य रूप से करोड़पति बन जाते हैं। एक जन प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जिसे राष्ट्र की जनता की सेवा करने के लिए चुना जाता है। हालाँकि, राष्ट्रीय और जन सेवा से मुँह मोड़कर, वे मुख्य रूप से अपने स्वयं के हितों की पूर्ति में ही लीन हो जाते हैं और ठीक यहीं से भ्रष्टाचार की जड़ें जमने लगती हैं। आज, काफी हद तक इन्हीं राजनीतिक नेताओं के कारण, देश के सरकारी स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन्हीं नेताओं ने अपने स्वयं के बड़े पैमाने के स्कूल और कॉलेज खोलकर मुनाफे वाले व्यवसाय स्थापित कर लिए हैं, और साथ ही अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेज रहे हैं। इससे यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि देश के राजनीतिक नेताओं ने केवल अपने स्वार्थी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश की शिक्षा प्रणाली को खोखला कर दिया है। परिणामस्वरूप, मेरा सचमुच यह मानना है कि देश को एक "कॉकरोच" की आवश्यकता है। शायद मुख्य न्यायाधीश को लगा होगा कि एक "युवा क्रांति" आवश्यक है, और यह तथ्य कि यही शब्द उनके मुख से निकला, देश के बेरोजगार युवाओं के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है; वास्तव में, अब देश के बेरोजगार युवाओं के एकजुट होने का सही समय आ गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच युद्ध 28 फरवरी, 2026 को शुरू हुआ; इसी अवधि के दौरान, देश के पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हुए, जिसमें मंत्री, प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री और विपक्ष शामिल थे. नेता और पूरी राजनीतिक मशीनरी दो महीने तक पाँच राज्यों में विधानसभा चुनावों के प्रचार में व्यस्त रही। इस दौरान जब करोड़ों लीटर पेट्रोल और डीज़ल की खपत हुई और देश की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा खर्च हुआ पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें एक पैसा भी नहीं बढ़ीं, और न ही अर्थव्यवस्था पर कोई बुरा असर पड़ता दिखा। फिर भी, यह बेहद चिंता की बात है कि विदेशों में तनाव कम होते ही और विधानसभा चुनाव खत्म होते ही, सिर्फ़ दस दिनों के अंदर पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें चार बार बढ़ा दी गई हैं। यह देश के लिए एक चेतावनी है; क्योंकि सरकार को पेट्रोल और डीज़ल से 77,000 करोड़ का मुनाफ़ा होने के बावजूद, कीमतें चौथी बार बढ़ाई गई हैं। इसके अलावा, सरकार का दावा है कि कीमतों में यह बढ़ोतरी खास तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए की जा रही है, और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय आयात-निर्यात के हालात का हवाला दिया जा रहा है। इसे देश और उसके युवाओं के साथ सरासर धोखा ही कहा जा सकता है। खोखले वादे करके, सरकार असल में बेरोज़गार युवाओं के ज़ख्मों पर नमक छिड़क रही है। नतीजतन, 'कॉकरोच' अब सरकार को चैन की नींद सोने नहीं देगा; क्योंकि आज 'कॉकरोच' के साथ-साथ देश के किसान, आम नागरिक, मज़दूर वर्ग और श्रमिक सभी एकजुट होकर खड़े हैं। इसलिए, सरकार को अब बेरोज़गार युवाओं को न्याय देना ही होगा; वरना, ये "कॉकरोच" उनके सारे गढ़ ढहा देंगे। इस "कॉकरोच" वाली टिप्पणी के बाद, सोशल मीडिया पर "कॉकरोच जनता पार्टी" नाम से एक ऑनलाइन आंदोलन शुरू हो गया है, जिसे लाखों फॉलोअर्स का समर्थन और मंज़ूरी मिल रही है। यह आंदोलन मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के उस बयान से उपजा है, जिसमें उन्होंने कहा था, "कुछ बेरोज़गार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं।" मुख्य न्यायाधीश के इस बयान ने देश के बेरोज़गार युवाओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई है। इसके परिणामस्वरूप, बेरोज़गार आबादी में गुस्सा काफ़ी बढ़ गया है, जिससे युवा क्रांति की प्रबल संभावना बन गई है। ऐसा लगता है कि माननीय मुख्य न्यायाधीश ने हमारे देश के राजनीतिक गलियारों में आम हो चुकी एक प्रथा का सहारा लिया है: पहले कोई बयान देना भले ही वह कितना भी बिना सोचे-समझे दिया गया हो और फिर बाद में माफ़ी माँगना या यह कहकर बचने का रास्ता ढूँढ़ना कि, "मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।" खैर, जो होता है, अच्छे के लिए ही होता है; और मेरा मानना है कि यह घटना युवाओं के लिए एक सकारात्मक मोड़ साबित होनी चाहिए। जय हिंद।

लेखक:
रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मोबाइल नंबर:
9921690779, नागपुर।

मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

- जोश इंगलिस संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की कमान

नई दिल्ली । टखने की चोट से जूझ रहे कार्यवाहक कप्तान मिशेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उनकी उपलब्धता अनिश्चित है। ऐसे में जोश इंगलिस को पाकिस्तान दौरे पर टीम की कमान सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। मार्श की

गैरमौजूदगी में विकेटकीपर जोश इंगलिस पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श, जो लखनऊ सुपर जायंट्स के आईपीएल सीजन का आखिरी मैच नहीं खेल पाए थे, अगली सूचना तक आगे की जांच और इलाज के लिए पर्थ में ही रहेंगे। बांग्लादेश के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर उचित समय पर फैसला लिया जाएगा।' मिशेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे। चोट के कारण वह शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में नहीं खेल सके थे।

भारतीय तीरंदाजी के 'अग्रदूत' श्याम लाल मीणा का निधन

सियोल ओलंपिक में लिया था हिस्सा

नई दिल्ली । देश में तीरंदाजी के अग्रदूत माने जाने वाले श्याम लाल मीणा का निधन हो गया है। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के लिए बेहद निराशाजनक है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। रविवार की रात को 61 वर्ष की अवस्था में इस दुनिया को अलविदा कहा। 1988 सियोल ओलंपिक में भारत की पहली ओलंपिक तीरंदाजी टीम के सदस्य रहे श्याम लाल मीणा पिछले कुछ वर्षों से लिवर से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के इतिहास के एक बेहद अहम हिस्से के समाप्ति की तरह है। 4 मार्च, 1965 को राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के केवड़िया गांव में जन्मे मीणा ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तीरंदाजी के वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्मे मीणा ने एक पारंपरिक बांस के धनुष से अपने सफर की शुरुआत की थी। उन्होंने सरकार की स्पेशल एरिया गेम्स योजना के तहत मदद पाने से पहले सिर्फ अपने दृढ़ संकल्प के दम पर अपनी प्रतिभा को निखारा।

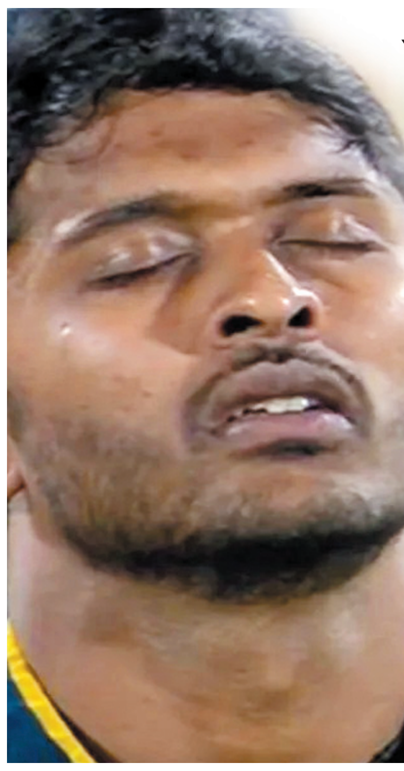

साई सुदर्शन जैसा किसी के साथ ना हो

गेंद गई चौका, लेकिन हो गए आउट

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर मैच में गुजरात के ओपनर बैटर साई सुदर्शन ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन वो इस मैच में बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हो गए। साई जिस तरह से आउट हुए वैसा किसी के साथ ना हो। साई के इस तरह से आउट होने के बाद उनकी टीम पूरी तरह से बैकफुट पर आ गई। हालांकि वो 14 रन पर आउट होने के बाद भी ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर बने हुए हैं।

साई सुदर्शन हुए हिट विकेट

साई सुदर्शन आरसीबी के खिलाफ हिट विकेट आउट हुए। ये वाकया तब हुआ जब आरसीबी के लिए तीसरा ओवर जैकब डफी फेंक रहे थे। डफी के इस ओवर की तीसरी गेंद पर साई सुदर्शन ने शानदार शॉट लगाया और गेंद बाउंड्री के पार भी चली गई, लेकिन वो आउट हुए। दरअसल हुआ ये कि साई शॉट लगाने के बाद जब पीछे की तरफ मुड़े और रन लेने के लिए

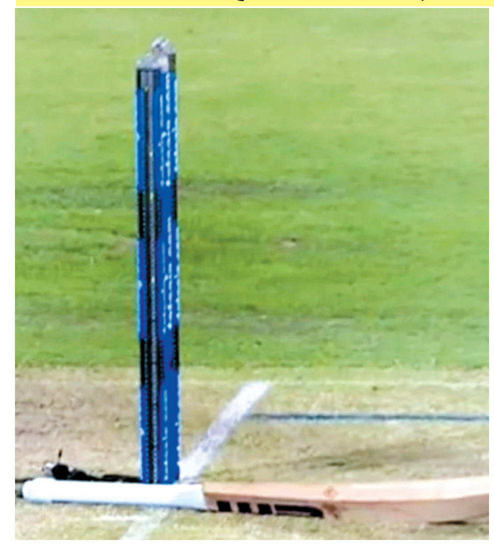

साई सुदर्शन ने बनाए हैं 652 रन

साई सुदर्शन इस लीग में अब तक कमाल की बैटिंग कर रहे हैं और इस मैच में भी लय में थे। 9 गेंदों पर उन्होंने 3 चौकों की मदद से 14 रन बना लिए थे, लेकिन वो आउट हो गए। साई ने इस सीजन में अब तक खेले 15 मैचों में 652 रन बना चुके हैं। साई ने इस मैचों में 46.57 की औसत से रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट इन मैचों में 157.87 का रहा है। साई ने इन मैचों में अब तक यानी 65 चौके और 29 छक्के भी लगाए हैं।

आगे बढ़े तभी बैट उनके हाथ से छूट गया और वो उछलकर नीचे गिरने के बाद स्टंप से जाकर टकरा दिया। यानी चौका भी नहीं मिला और वो फोकट में आउट भी हो गए।

अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम से हटाए 200 से अधिक पोस्ट

कोहली संग बनाई रील भी गायब

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अचानक अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर 200 से अधिक पोस्ट और रील्स को हटा दिया है। इसके बाद उनकी प्रोफाइनल पर सिर्फ 44 पोस्ट ही रह गए हैं, जिनमें से ज्यादातर विज्ञापन और पेड पार्टनरशिप से जुड़े हुए हैं। अर्शदीप के इस कदम के बाद उनके इंस्टाग्राम से कई वायरल रील्स रातों-रात गायब हो गई हैं, जिसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेलिब्रेशन से विराट कोहली के साथ उनकी शेयर की गई रील भी शामिल है। ज्यादातर बचे हुए अपलोड परिवार, निजी उपलब्धि, विज्ञापन और कुछ चुने हुए सहयोगात्मक कंटेंट के बारे में हैं। अर्शदीप ने पंजाब किंग्स से जुड़े सभी पोस्ट को भी अपने इंस्टाग्राम से हटा दिया है। ऐसी अफवाहों ने भी जोर पकड़ा था कि पंजाब किंग्स और अर्शदीप के बीच में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, अर्शदीप ने जो ताजा पोस्ट शेयर किया है, वह पंजाब किंग्स टीम की एक फोटो ही है। उन्होंने

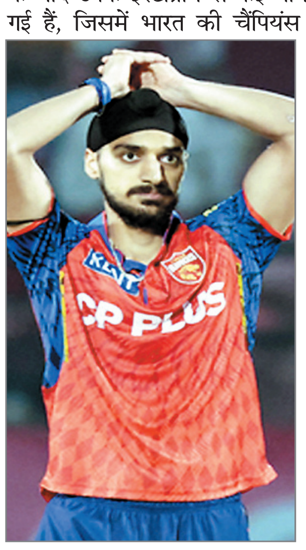

कैप्शन में लिखा, 'सब्र, शुकर। पंजाब।' इस ऑनलाइन गतिविधि से इस बात के कयास तेज हो गए हैं कि क्या 27 साल का यह खिलाड़ी खुद को रीब्रांड करने की कोशिश कर रहा है? क्या वह हाल के विवादों से खुद को दूर कर रहे हैं, या मैदान के अंदर और बाहर खराब सीजन के बाद बस शोर से दूर रहना चाहते हैं? अर्शदीप का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 संस्करण में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। 14 मुकाबलों में वह पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए सिर्फ 14 विकेट ही निकाल सके। अर्शदीप टूर्नामेंट के दौरान रनों पर लगाम लगाने में भी नाकाम रहे और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए।

गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हरा फाइनल में पहुंची आरसीबी

पाटीदार बने हीरो

कप्तान रजत ने 33 गेंद पर बनाए नाबाद 93 रन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले क्वालिफायर मुकाबले में मंगलवार (26 मई) को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गुजरात

टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 254 रन बनाए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कप्तान रजत पाटीदार ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। वह शतक नहीं बना पाए, लेकिन अपनी टीम को प्लेऑफ में सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। 255 रनों के लक्ष्य के जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम ने पहले ही घुटने टेक दिए। भला हो राहुल तेवितया की अर्धशतकीय पारी की। गुजरात टाइटंस 100 रन के अंदर सिमटी दिख रही थी, लेकिन वह 19.3 ओवर में 162 रन पर आउट हुई। गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर के विजेता से क्वालिफायर-2 में 29 मई को भिड़ेगी। एलिमिनेटर बुधवार (27 मई) को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए रजत पाटीदार ने 33 गेंद पर नाबाद 93 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या और विराट कोहली ने 43-43 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 30 और वेंकटेश अय्यर ने 19 रन बनाए। जितेश शर्मा 15 रन बनाकर नाबाद रहे। टिम डेविड 4 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात टाइटंस के लिए कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिए। गुजरात टाइटंस के लिए राहुल तेवतिया ने 43 गेंद पर 68, जोस बटलर ने 11 गेंद पर 29 और साई सुदर्शन ने 9 गेंद पर 14 रन बनाए। शुभमन गिल 2, निशांत सिंधु 5, वाशिंगटन सुंदर 8, जेसन होल्डर 0, राशिद खान 8, कगिसो रबाडा 9 और मोहम्मद सिराज 5 रन बनाकर आउट हुए। प्रसिद्ध कृष्णा 6 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए जैकब डफी ने 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम डार और क्रुणाल पंड्या ने 2-2 विकेट लिए। जोश हेजलवुड ने 1 विकेट लिए।

व्यापार

मारुति सुजुकी में वर्क फ्रॉम होम लागू

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने वर्क फ्रॉम होम को लागू कर दिया है। सप्ताह के दूसरे दिन यानी मंगलवार को कहा कि कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता की अपील और पश्चिम एशिया में युद्ध के प्रभाव को कम करने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कई कदम उठाए हैं, जिनमें संभव होने पर 'वर्क फ्रॉम होम' लागू करना और विदेशी यात्राओं पर रोक शामिल है। कंपनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि वह प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील और पश्चिम एशिया युद्ध के संभावित प्रभाव को कम करने के आह्वान को अत्यधिक महत्व देती है। मारुति सुजुकी ने कहा कि यह सभी प्रक्रियाओं की समीक्षा करने और उन्हें अधिक कुशल बनाने का उपयुक्त समय है, ताकि राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ-साथ कारोबार के स्वास्थ्य को भी बेहतर किया जा सके। कंपनी के अनुसार, प्रबंधन ने कर्मचारियों को कई उपायों को संस्थागत रूप देने का संदेश दिया है। इसके तहत जहां संभव हो वहां पर 'वर्क फ्रॉम होम' लागू किया जा रहा है, ताकि आवागमन से जुड़े ईंधन की खपत कम की जा सके।

भारतीयों की थाली में चावल-रोटी की भरमार, दाल-सब्जी हुईं गायब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीयों की थाली में आज भी अनाज (गेहूं और चावल) का बोलबाला है, जबकि शरीर के लिए जरूरी दालों, सब्जियों, फल, दूध और मछली को नजरअंदाज किया जा रहा है। एक सरकारी स्टडी में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है। इस स्टडी में भारतीय परिवारों के खाने-पीने के तौर-तरीकों की तुलना इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा तय किए गए पोषण के नियमों से की गई है। एक व्यक्ति को महीने में 7.5 किलो अनाज खाना चाहिए। गांवों की बात करें तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा, त्रिपुरा और मणिपुर (11.2 किलो) में सबसे ज्यादा अनाज खाया जाता है। इसके बाद बिहार (11.1 किलो), राजस्थान (10.5 किलो) और छत्तीसगढ़ (10.3 किलो) का नंबर आता है। वहीं शहरों में त्रिपुरा (11.2 किलो) सबसे आगे है। इसके बाद मणिपुर (11.1 किलो), बिहार (10.5 किलो), अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ (10.4 किलो) का स्थान है। आमतौर पर देखा गया है कि जैसे-जैसे लोगों की कमाई बढ़ती है, वे अनाज कम खाते हैं और प्रोटीन व फैट वाली चीजें ज्यादा लेने लगते हैं। सांख्यिकी मंत्रालय की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अब रेस्तरां में खाना और पैकेट बंद फूड खाना लोगों के लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस आदत की वजह से देश में गैर-संक्रामक बीमारियां तेजी से बढ़ेंगी।

विवादों के बीच चर्चा में आई टाटा की बैठक, समूह की घाटे वाली कंपनियों पर मंथन

नईदिल्ली, एजेंसी। तमाम विवादों के बीच टाटा संस निदेशक मंडल की बैठक संपन्न हो गई है। दिन भर चली बैठक में टाटा डिजिटल समेत नई इकाइयों के प्रमुखों ने निदेशक मंडल (बोर्ड) को कामकाज के बारे में पूरी जानकारी दी। एयर इंडिया, टाटा डिजिटल और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ ने छह सदस्यीय बोर्ड के सामने अपनी प्रस्तुतियां दीं। ये कारोबार भविष्य के नजरिये से समूह के कुछ सबसे महत्वाकांक्षी निवेश हैं, लेकिन ये सभी घाटे से जूझ रहे हैं। बैठक में टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा भी मौजूद थे। नोएल कथित तौर पर समूह के कुछ व्यवसायों में हो रहे नुकसान पर चिंता जता चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में टाटा समूह के गैर-सूचीबद्ध कारोबारों को 10,905 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इस घाटे के बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ताजा बैठक में क्या निर्णय हुआ है इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गयी है। 12 जून को बैठक सूत्रों के अनुसार, टाटा संस बोर्ड की अगली बैठक 12 जून को होने की संभावना है। माना जा रहा है कि चंद्रशेखरन और टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने समूह की कंपनियों के प्रदर्शन से संबंधित इसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सप्ताहांत में मुलाकात की थी।

- फिर किया कुछ ऐसा कि स्टोरी चेंज, अब छप्परफाड़ कमाई

नौकरी छोड़कर गांव लौटे तो लोगों ने दिए ताने

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में महाबलेश्वर के पास अवकली गांव के रहने वाले राज वाडकर ने मिसाल कायम की है। मुंबई में अपनी अच्छी-भली कॉरपोरेट फाइनेंस की नौकरी छोड़कर वह वापस गांव लौट आए। उन्होंने अपने परिवार की ब्रिटिश काल से चली आ रही 100 साल पुरानी स्ट्रॉबेरी फार्मिंग की विरासत को संभाला। जब वह लौटे तो लोगों ने 'लो आ गए' कहकर ताने भी सुनाए। लेकिन, उन्होंने इन बातों को अनसुना कर अपने काम पर फोकस किया। आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया मार्केटिंग और टूरिस्टों के लिए अनूठे अनुभवों को जोड़कर उन्होंने आज अपने 'फेमस स्ट्रॉबेरी फार्म' को बेहद मुनाफे वाले और आत्मनिर्भर बिजनेस मॉडल में तब्दील कर दिया है। आइए, यहां राज वाडकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

महाबलेश्वर क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की शुरुआत औपनिवेशिक काल में हुई थी। ब्रिटिश अधिकारियों ने अपने बंगलों के बाहर निजी इस्तेमाल के लिए इसे शुरू कराया था। बाद में इसे स्थानीय किसानों ने बड़े पैमाने पर अपनाया। राज वाडकर के दादाजी ने 1930 के दशक में इस व्यावसायिक खेती की शुरुआत की थी। इससे बाद में उनके पिता विष्णु नारायण वाडकर ने आगे बढ़ाया। हालांकि, उस दौर में सालाना कमाई महज 15,000 से 25,000 रुपये के बीच थी। राज ने साल 2018 में बीकॉम पूरा करने के बाद मुंबई में एक रिकवरी एजेंट के रूप में फाइनेंस सेक्टर में कदम रखा। लेकिन, साल 2024 तक आते-आते शहर की तनावभरी लाइफस्टाइल और आबोहवा रास न आने के कारण उन्होंने नौकरी छोड़ दी। फिर अपनी पारिवारिक कृषि विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए गांव वापस लौट आए। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए 15 डिग्री से 25 डिग्री सेल्सयिस का स्थिर और ठंडा तापमान जरूरी होता है। राज के 2.5 एकड़ के फार्म में हर साल एक बेहद सटीक साइकिल फॉलो किया जाता है। इसकी शुरुआत जून में इटली या कैलिफोर्निया से आयातित लगभग 1,500 से 2,000 मदर प्लांट्स को खरीदने से होती है।महाबलेश्वर की भारी बारिश से बचाने के लिए इन्हें पहले पास के शहर की नर्सरी में क्लोनिंग के जरिए 1 से 1.5 लाख पौधों में तैयार किया जाता है। सितंबर-अक्टूबर में मुख्य खेत में करीब 25,000 पौधे रोपे जाते हैं। अपने पूर्वजों के उलट राज ड्रिप इरिगेशन और मल्चिंग पेपर जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं ताकि फल मिट्टी और पानी के सीधे संपर्क में आकर सड़े नहीं। लगभग 60 दिनों के बाद दिसंबर के मध्य से अप्रैल तक फल आने शुरू हो जाते हैं। इससे सालाना लगभग 20 से 25 टन का उत्पादन मिलता है। राज ने अपने बिजनेस मॉडल से बिचौलियों को पूरी तरह हटा दिया है। सीजन की शुरुआत में स्ट्रॉबेरी की कीमतें 500-600 रुपये प्रति किलो तक होती हैं, जो अंत तक 300 रुपये प्रति किलो पर आ जाती हैं। राज ने अपनी बिक्री को तीन हिस्सों में बांटा है। प्रीमियम क्वालिटी के फल सीधे खेत पर आने वाले पर्यटकों को बेचे जाते हैं।

एचडीएफसी बैंक में 45 करोड़ की गड़बड़ी

2 प्रतिशत लुढ़का देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में तेजी के बीच आज देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर करीब 2 फीसदी गिर गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैंक की इंटरनल जांच में 45 करोड़ रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। बैंक ने एमडी रंगनाथ की अगुवाई वाले ऑडिट कमेटी ऑफ द बोर्ड से महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को किए गए ब्याज भुगतान की जांच कराई। यह भुगतान बैंक के पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के 18 मार्च को रिजाइन से कुछ दिन पहले किया गया था। ऑडिट कमेटी ने इस मामले की जांच के लिए इंटरनल विजिलेंस इनवेस्टिगेशन का ऑर्डर दिया था। बैंक के मार्केटिंग डिपार्टमेंट की एक इंटरनल ऑडिट कमेटी ने इस पेमेंट पर सवाल उठाया था और डिपार्टमेंट की परफॉरमेंस को संतोषजनक नहीं बताया था। उसके बाद ही ऑडिट कमेटी ने 12 मार्च को जांच के आदेश दिए थे। विजिलेंस रिपोर्ट 10 अप्रैल को बोर्ड की ऑडिट कमेटी को सौंपी गई। डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को किया गया पेमेंट डिफरेंशियल इंटरेस्ट के रूप में दिखाया गया था। लेकिन इसे सीधे कॉरपोरेशन के खाते में डालने के बजाय मार्केटिंग डिपार्टमेंट के जरिए डाला गया था। यह पेमेंट चार लोकल वेंडरों के जरिए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में योगदान के तौर पर दिखाया गया। यानी इसे मार्केटिंग खर्च के रूप में दिखाया गया था। एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)